सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 147 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 2 जुलाई, 2024

सबसे महान जीत प्रेम की होती है, ये हमेशा के लिए दिल जीत लेती है।

-सम्राट अशोक

मूल्य ₹ 3/-

हिंदुओं के बारे में नहीं, बल्कि भाजपा... 7

आमजन के हित में नए कानूनों... 3

बिहार में गिरते पुल व बढ़ते अपराध... 2

राहुल के बाद संसद में अखिलेश का मोदी पर तीखा वार

अब मनमर्जी नहीं, जनमर्जी चलेगी

- अयोध्या, अग्निवीर व पेपर लीक पर खरी-खरी सुनाई
- राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद चर्चा में संसद में हंगामा
- यह गिरने वाली सरकार

सपा प्रमुख के वार से तिलमिलाई बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद संत्र का आज सातवां दिन था। सोमवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एनडीए की मोदी सरकार व बीजेपी पर जमकर हमला बोला था। मंगलवार को सपा के नेता सदन अखिलेश यादव की बारी थी। उन्होंने अग्निवीर, ईवीएम, अयोध्या, अर्थव्यवस्था से लेकर हर आमजन के मुद्दे पर सत्तारूढ़ मोदी सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने अपने भाषण में कविताओं व शायरियों को बखूबी प्रयोग करते हुए बीजेपी पर शब्दों के तीर छोड़े। उनके भाषण को सुनकर बीच-बीच में भाजपा के नेता तिलमिलाते हुए भी दिखाई दिए। वहीं बीजेपी ने राहुल के हिंदुओं को हिंसक वाले बयान पर कांग्रेस पर हमला जारी रखा।

उधर दस साल में कभी सहयोगियों को घास न डालने वाली बीजेपी ने शाम को सदन में पीएम के जवाब से पहले एनडीए की बैठक करके रणनीति भी बनाई। सपा प्रमुख ने कहा, जो लोग चुनाव को अपनी तरह से मोड़ते हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि इस चुनाव के परिणाम में तोड़ने वाली राजनीति की हार हुई है। वहीं जोड़ने वाली राजनीति की जीत हुई है। इस चुनाव में धन, छल, बल की नकारात्मक राजनीति की शिकस्त हुई है। यह चुनाव सकारात्मक का दौर शुरू हुआ है। संविधान ही संजीवनी है। यह संविधान मंथन में हैं। संविधान रक्षकों की जीत हुई है। मैं कहना चाहता हूं कि देश किसी की निजी महत्वाकांक्षा से नहीं, बल्कि जन आंकाक्षा से चलेगा। मतलब अब मनमर्जी नहीं जनमर्जी चलेगी। अखिलेश यादव ने पहले लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को बोलने का मौका देने पर धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सबसे पहले उन सभी मतदाताओं को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने लोकतंत्र को एकतंत्र बनाने से रोका। चुनाव के समय ऐसा कहा गया कि 400 पार पर समझदार जनता को फिर से धन्यवाद। उन्होंने कहा, आवाम ने तोड़ दिया हूकुमत का गुमार, दरवार तो लगा है, मगर बड़ा गमगीन बेनूर है और पहली बार ऐसा लग रहा है कि हारी हुई सरकार विराजमान है। जनता कह रही है कि चलने वाली नहीं, यह गिरने वाली सरकार है। क्योंकि ऊपर से जुड़ा कोई तार नहीं, नीचे कोई आधार नहीं, अधर में जो लटकी, वो तो कोई सरकार नहीं। उन्होंने कहा, इस चुनाव में पूरे इंडी गठबंधन की जीत हुई है। यह इंडिया की सकारात्मक जीत हुई है। 2024 का परिणाम हम इंडिया वालों के लिए जिम्मेदारी से भरा पैगाम भी है। हम यह भी कहे 15 अगस्त 1947 अगर आजादी का दिन था, तो 4 जून 2024 देश के लिए सांप्रदायिक राजनीति से आजादी का दिन रहा। सबसे अच्छी बात यह है कि सांप्रदायिक राजनीति की हार हो गई।

ईवीएम का मुद्दा मरा नहीं

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने कहा, जब मॉडल ऑफ कंडक्ट चुनाव हुआ तो सरकार काफी लोगों पर मेहरबान रही। मुझे ईवीएम पर कल भी भरोसा नहीं था और आज भी नहीं है। मुझे 80 सीटें भी मिल जाएं तब भी भरोसा नहीं होगा। मैंने अपने चुनाव में कहा था कि ईवीएम से जीतकर ईवीएम को हटाने का काम करेंगे। न ईवीएम का मुद्दा मरा है और न ही होगा खत्म। जबतक ईवीएम नहीं हटेगी हम लोग उस बात पर अड़ग रहेंगे।

राहुल गांधी के लोकसभा में दिए भाषण के कई हिस्से रिकॉर्ड से हटाए गए

सोमवार को लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा दिए गए संबोधन में से कई टिप्पणियों को रिकॉर्ड से हटा लिया गया है। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने अपने संबोधन में हिंदुओं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस को लेकर टिप्पणी की थी। राहुल गांधी ने अपने भाषण में कहा था कि जो लोग अपने आपको हिंदू कहते हैं, वो 24 घंटे हिंसा-हिंसा, नफरत-नफरत करते हैं। राहुल गांधी के इस बयान पर पीएम मोदी ने भी आपत्ति ली थी और कहा कि पूरे हिंदू समाज को हिंसक कहना गंभीर बात है।

हकीकत में सच्चाई को मिटाया नहीं जा सकता : राहुल

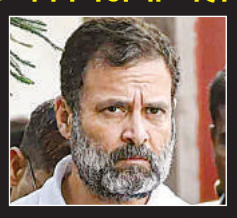

लोकसभा अध्यक्ष द्वारा उनके भाषण के महत्वपूर्ण हिस्से हटाये जाने के बाद मंगलवार को राहुल गांधी ने इसपर प्रतिक्रिया दी है। अपने भाषण के हटाए गए अंशों पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी की दुनिया में सच्चाई को मिटाया जा सकता है लेकिन हकीकत में सच्चाई को मिटाया नहीं जा सकता है। जो मैंने कहा और जो मुझे कहना था मैंने कह दिया, वह सच्चाई है, अब उन्हें जो मिटाना है मिटाएं। गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि मुझे जो कुछ भी कहना था, मैंने कह दिया है और यह सच है। वे जितना चाहें उतना मिटा सकते हैं, लेकिन सच्चाई कायम रहेगी। कांग्रेस नेता सोमवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान की गई कुछ टिप्पणियों पर पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

देश सेवा हमारे लिए प्रथम: मोदी

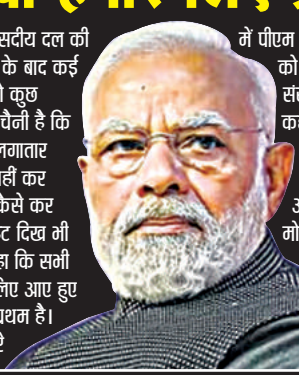

पीएम मोदी ने एनडीए संसदीय दल की बैठक में कहा कि नेहरू के बाद कई पीएम रहे, कुछ प्रत्यक्ष तो कुछ रिमोट से। अब उन्हें ये बेचैनी है कि नेहरू के बाद तीन बार लगातार जीतने का काम जो वो नहीं कर पाए वो एक चायवाले ने कैसे कर दिया। उनकी ये छटपटाहट दिख भी रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी सांसद सदन में देश के लिए आए हुए हैं, देश सेवा हमारे लिए प्रथम है। सांसद के आचरण के बारे में पीएम ने मार्गदर्शन दिया। सदन के नियम को हम पूर्ण रूप से अपनाए। वहीं संसदीय कार्यमंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि पीएम मोदी ने आज बहुत अच्छा मार्गदर्शन दिया है और एनडीए का एकजूट में काम करने का स्वरूप आज देखने को मिला है और पीएम मोदी को मैं धन्यवाद दूंगा कि उन्होंने सभी को आज मार्गदर्शन दिया और सभी नेताओं को भी धन्यवाद देता हूं कि वे बैठक में शामिल हुए।

यूपी में 35 फीसदी की ग्रोथ चाहिए

उन्होंने आगे कहा,सरकार कहने को तो कहती है कि यह पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। मगर सरकार क्यों छिपा रही है कि अगर यह सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है तो हमारे देश की प्रति व्यक्ति आय किस स्थान पर पहुंची है। हमने देखा है कि अगर दिल्ली सरकार ने कहा होगा पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगी, तो जहां से पीएम से चुनकर आती है, तो वहां की प्रदेश सरकार कह रही है कि हम एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बना लेंगे। अगर उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर बनना है तो 35 फीसदी की ग्रोथ चाहिए। मुझे नहीं लगता है कि इतनी ग्रोथ हो पाएगी।

अर्थव्यवस्था पर आंकड़े छुपा रही सरकार

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार अर्थव्यवस्था पर आंकड़े छुपा रही है।

राष्ट्रपति का सरकारी भाषण न हो

लोकसभा में भाषण देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि जब अगली बार राष्ट्रपति का भाषण हो तो सरकारी भाषण न हो। सांसद अखिलेश यादव ने कहा अग्निवीर योजना का जिक्र करते हुए कहा कि हम अग्निवीर योजना को स्वीकार नहीं करते, जब कभी 'इंडिया गठबंधन सत्ता में आएगा तो हम इस योजना को खत्म कर देंगे।

होई वही जो राम रचि राखा
यह है उसका फैसला, जिसकी लाठी में नहीं होती आवाज
जो करते से किसी को लाने का दावा,वो हैं खुद किसी के सहारे के लाचार

अखिलेश यादव ने भाषण के दौरान एक कविता भी सुनाई

आवाम ने तोड़ दिया हुकूमत का गुरूर
दरबार तो लगा है पर, बड़ा गमगीन बेनूर है
क्यों ऊपर से जुड़ कोई तार नहीं
नीचे से कोई आधार नहीं
ऊपर से जो है अटकी हुई
यह कोई सरकार नहीं

10 सालों में बस शिक्षा, परीक्षा माफिया का जन्म हुआ

नीट पेपर लीक पर बोलते हुए अखिलेश यादव ने कहा, पिछले 10 सालो की उपलब्धि बस इतनी ही है कि शिक्षा परीक्षा माफिया का जन्म हुआ। यूपी में सारे पेपर लीक हुए हैं। यहां तक कि अन्य राज्यों में भी ऐसा ही हुआ। नीट का पेपर भी लीक हुआ। अब सवाल उठता है कि आखिरकार सारे पेपर लीक कैसे हो रहे हैं। सच्चाई यह है कि सरकार नौकरी नहीं देना चाहती है इसलिए ऐसा कर रही है। सरकार आशा का प्रतीक होना चाहिए न कि निराशा का। उन्होंने आगे कहा, सरकार पीछे की बात न करके आगे की बात करे। जनता किसी के बहकावे में नहीं आएगी। सपा सांसद ने कहा कि एक और जीत हुई है। अयोध्या में हुई जीत जनता की समझ की जीत है। हम तो यही सुनते आए हैं होए वही जो राम रचराखा।

बिहार में गिरते पुल व बढ़ते अपराध पर गरमाई सियासत

» राजद ने नीतीश कुमार को घेरा बीजेपी ने राजद को घसीटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पटना में आए दिन गिर रहे पुल व बढ़ते अपराध पर राजद ने बिहार की नीतीश कुमार पर करारा हमला बोला है। उधर इस मामले को लेकर सियासत भी गरमाई है। भाजपा ने भी राजद को घेरा है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि बिहार सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। अन्य सभी पुल के साथ इस पुल की भी जांच करवाई जाएगी।

आखिर तत्कालीन सांसद ने कितना पैसा खाया था? जांच के बाद सारी बात स्पष्ट हो जाएगी। किशनगंज में एक और पुल धंसने के बाद बिहार में सियासत शुरू हो गई है। भारतीय जनता पार्टी के नेता अब सीधे राष्ट्रीय जतना दल पर हमला बोल रहे हैं। उनका आरोप है कि यह पुल राजद के दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री के फंड से बना था। अब बिहार सरकार इस मामले की जांच करवाएगी कि राजद के तत्कालीन सांसद ने उस वक्त कितना पैसा खाया था।

सीएम व डिप्टी सीएम की चुप्पी बता रही अपराध रोकने में अक्षम : तेजस्वी

तेजस्वी यादव के साथ ही पार्टी के अन्य नेता प्रवक्ता भी बढ़ते अपराध को लेकर सरकार की कार्यशैली और विधि व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहे हैं। मंगलवार को तेजस्वी यादव ने एक बार फिर बड़ती आपराधिक घटनाओं को लेकर सवाल उठाए और कहा कि बिहार में अनियंत्रित जानलेवा अपराध पर मुख्यमंत्री और उनके दो-दो डिप्टी सहायकों की चुप्पी उनकी अपराध रोकने की असमर्थता,अक्षमता एवं अशक्तता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। नेता प्रतिपक्ष ने अपने एक्स मीडिया पर मंगलवासर को दो अलग-अलग पोस्ट डाली, जिसमें रोहतास के डिहरी में मीठापुर गांव की नीतू कुशवाहा की हत्या और दूसरे में ब?ती घटनाओं पर उंगली उठाई है। उन्होंने अपनी पोस्ट के जरिए लोगों से अनुरोध किया है कि बिहारवासी अपने जान-माल की रक्षा स्वयं करें। रोहतास की घटना का हवाला देकर तेजस्वी ने लिखा कि दिल दहलाने वाली निर्मम घटना में रोहतास के डिहरी में मीठापुर गांव की बेटी नीतू कुशवाहा का अपहरण कर हत्या कर दी गई है। कुछ दिन पहले ही नवीनगर में भी दूसरी बेटी श्रेया की हत्या की गयी थी। तेजस्वी ने कहा कि बिहार में अपराधी बेखौफ हैं। महिलाओं और बेटियों पर सत्ता संरक्षित अत्याचार की कोई सीमा ही नहीं बची। सरकार की तरफ से कोई संवेदना तक व्यक्त नहीं करता। बिहार में विधि व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है।

किशनगंज में जो पुल धंसा दिवंगत तसलीमुद्दीन के फंड से बना था : नीरज कुमार

भाजपा प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि किशनगंज में जो पुल धंसा है, उसे राजद के तत्कालीन सांसद दिवंगत तसलीमुद्दीन के फंड से बना था। इस पुल का निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ख्याल नहीं रखा गया इसलिए आज ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है।भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि बिहार सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। अन्य सभी पुल के साथ इस पुल की भी जांच करवाई जाएगी। आखिर तत्कालीन सांसद ने कितना पैसा खाया था। जांच के बाद सारी बात स्पष्ट हो जाएगी। 2007-2008 में इस पुल का निर्माण हुआ था। जांच में जो दोषी पाए जाएंगे वह बख्शे नहीं जाएंगे।

महंगाई और बेरोजगारी का दंश झेल रही जनता पर बीजेपी सरकार डाल रही बोझ : हुड्डा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» कहा- कांग्रेस सत्ता में आई तो करेंगे विचार

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने शहरवासियों से बार-बार हो रही एन्हांसमेंट वसूली पर कहा कि पहले से ही मंदी, महंगाई और बेरोजगारी का दंश झेल रही जनता पर पड़ रहे बोझ को लेकर सरकार को संज्ञान लेना चाहिए। भाजपा लगातार जनता के इस दर्द को अनदेखा कर रही है। प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने पर शहरवासियों की मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाएगा। शनिवार को बहादुरगढ़ सेक्टर 2, 9 और 9ए के निवासी हुड्डा को एक ज्ञापन सौंपने पहुंचे थे। व्यापारियों से कानून व्यवस्था पर बातचीत में हुड्डा ने बढ़ते अपराध पर भी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में बेकाबू अपराध के चलते आम आदमी का जीना मुहाल हो गया है। फायरिंग, फिरौती, लूट, डकैती, हत्या और रेप जैसी वारदात लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन गई हैं। सिर्फ 4 दिन के भीतर अकेले हिसार में 3 व्यापारियों से 9 करो? की रंगदारी मांगने की वारदातें हो चुकी हैं। लेकिन अपनी जिम्मेदारी को निभाने में भाजपा पूरी तरह विफल साबित हुई है। जो सरकार नागरिकों को सुरक्षा नहीं दे सकती, उसे सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने पर अपराध का सफाया करके हरियाणा को फिर से सुरक्षित राज्य बनाया जाएगा।

नए आपराधिक कानूनों का कर्नाटक ने किया विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने औपनिवेशिक युग के भारतीय दंड संहिता की जगह सोमवार को भारत में लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को कई सुझाव भेजे हैं। इसके अलावा, राज्य सरकार राज्य स्तर पर कानूनों के प्रावधानों में संशोधन पर विचार कर रही है।

ये सुझाव तीन कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के विश्लेषण और कर्नाटक सरकार द्वारा गठित एक विशेषज्ञ समिति की समीक्षा रिपोर्ट का परिणाम थे।. संविधान के अनुच्छेद 348 के अनुसार सभी कानूनों के नाम अंग्रेजी में होने चाहिए। कानूनों के नाम हिंदी में होने के कारण यह मुद्दा उठाया गया है। . तीनों कानूनों में, आईपीसी के अधिकांश प्रावधानों को बरकरार रखा गया है और पुन: क्रमांकित किया गया है।

नए कानूनों का दुरुपयोग होगा : उमर अब्दुल्ला

» बोले - एनडीए के घटक दल करें पुनर्विचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि तीन नए आपराधिक कानूनों के दुरुपयोग की संभावनाएं ज्यादा है। उन्होंने उम्मीद थी कि इंडिया की सरकार बनने पर इन पर फिर से विचार किया जाना था। लेकिन भाजपा की भी सरकार नहीं बन पाई है। इस समय में देश में एनडीए की सरकार है। ऐसे में एनडीए के घटक दलों को इन कानूनों पर एक बार फिर विचार करना चाहिए।

उमर ने कहा, वैसे तो कोई भी कानून अपने आप खराब नहीं होता है। उसे किस तरह से इस्तेमाल किया जाता खराबी उसमें है। आज से लागू किए गए तीन कानूनों के गलत इस्तेमाल की गुंजाइश ज्यादा है। वैसे भी इस सरकार को जब भी मौका मिलता है तो वो कानून का दुरुपयोग करती है।उन्होंने कहा कि नेकां हमेशा से इन कानूनों को लेकर

आशंकित रही है। हमने शुरू से ही इन कानूनों को लेकर अपनी आशंकाएं व्यक्त की हैं। ये मानव निर्मित कानून हैं और इन्हें बदला जा सकता है। इनकी समीक्षा की जानी चाहिए।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इंजीनियर रशीद को एनआईए की तरफ से शपथ लेने के लिए सहमति मिल गई है। लेकिन वह अभी रिहा नहीं हो रहे हैं। ऐसे में वह शपथ तो ले लेंगे लेकिन बारामुला के लोगों को उनका प्रतिनिधि नहीं मिल पाएगा। रशीद जनता के बीच जाकर काम नहीं कर पाएंगे। उमर अब्दुल्ला ने कहा, एनआईए ने शपथ ग्रहण की अनुमति दे दी है और अब वह स्पीकर के कक्ष में शपथ लेंगे। अफसोस की बात यह है कि बारामुला लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को अभी भी अपना प्रतिनिधि नहीं मिलेगा क्योंकि उन्हें शपथ लेने की अनुमति तो दे दी गई है लेकिन वह लोगों के प्रतिनिधि के तौर पर काम नहीं कर पाएंगे।

जेलों में बंद अन्य कश्मीरियों को भी रिहा किया जाय : महबूबा मुफ्ती

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को कहा कि उन्हें यह जानकर राहत मिली है कि बारामुला से लोकसभा चुनाव जीतने वाले शेख अब्दुल रशीद (इंजीनियर रशीद) को संसद सदस्य के रूप में शपथ लेने की अनुमति एनएआई से मिल गई है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि जेलों में बंद अन्य कश्मीरी लोगों को भी रिहा किया जाए।उन्होंने कहा, यह दुखदाई है कि इंजीनियर रशीद 2019 से निराधार आरोपों में सलाखों के पीछे हैं। यह जानकर राहत मिली कि उन्हें संसद सदस्य के रूप में शपथ लेने की अनुमति दी गई है, लेकिन उनका कारावास अपने आप में न्याय का घोर मजाक है। भारत सरकार को उन्हें और जेलों में बंद अनगिनत अन्य कश्मीरी लोगों को तुरंत रिहा करना चाहिए

निर्वाचित सांसदों को मीडिया से बातचीत करने से रोकना चिंताजनक : अल्ताफ बुखारी

अपनी पार्टी के प्रमुख अल्ताफ बुखारी ने कहा कि बारामुला लोकसभा सीट से निर्वाचित सांसद इंजीनियर रशीद के शपथ ग्रहण के लिए एनआईए द्वारा अनुमति दिए जाने से संबंधित घटनाक्रम का स्वागत है। यह लंबे समय से अपेक्षित था, जो अंततः पूरा हुआ, जिससे उत्तरी कश्मीर में लाखों की संख्या में मतदाताओं को खुशी और संतुष्टि मिली। हालांकि, निर्वाचित सांसदों को मीडिया से बातचीत करने से रोकना चिंताजनक है और लोकतंत्र के लिए स्वस्थ संकेत नहीं है।

मेरे खिलाफ नाडा साजिश कर रही : बजरंग पुनिया

» वह नहीं चाहते कि मैं कुश्ती खेलना जारी रखूं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सोनीपत (हरियाणा)। डोपिंग टेस्ट मामले में पहलवान बजरंग पूनिया ने उन्हें दूसरी बार निलंबित करने वाली एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) पर फिर से सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि वह नहीं चाहते कि मैं कुश्ती खेलना जारी रखूं। मेरे खिलाफ साजिश रची जा रही है।

बजरंग पूनिया ने एंटी डोपिंग एजेंसी पर ही नियमों को तोड़ने का आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि उनके सवालों के जवाब क्यों नहीं दिए जा रहे। डोपिंग मामले में नाडा ने पहलवान बजरंग पूनिया को 5 मई को निलंबित करते

हुए नोटिस भेजकर 11 जुलाई तक जवाब मांगा था। जब पिछली बार नाडा ने बजरंग को निलंबित किया था, तो उनका निलंबन तीन हफ्ते बाद एंटी डोपिंग डिसिप्लिनरी पैनल ने रद्द कर दिया था। उन्हें नोटिस जारी नहीं किया गया था। अब नाडा ने निलंबन के साथ-साथ बजरंग पूनिया को नोटिस भी जारी किया है। 10 मार्च को ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेने के लिए हुए एशियन क्वालीफायर के ट्रायल के दौरान नाडा ने बजरंग से नमूने देने के लिए कहा था। लेकिन, बजरंग ने इन्कार कर दिया था।

आमजन के हित में नए कानूनों पर 'विचार हो गंभीर'

तीन नए आपराधिक कानूनों के तहत देश में तीन जगहों पर एफआईआर

कांग्रेस बोली सांसदों के निलबंन के बाद बिल किया था पास

- विपक्ष ने एनडीए सरकार पर उठाए सवाल
- सरकार ने कहा- कमी हो तो सुझाव दे विपक्ष
- नये कानूनों से आमजन को मिलेगा लाभ!
- नए बीएनएस कानून के तहत अब चोरी के अपराध से जुड़ी आईपीसी की धारा 420 को बीएनएस में 318 बना दिया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 1 जुलाई को पूरे देश में तीन नए आपराधिक कानूनों को लागू कर दिया गया है। इन नए कानूनों के आधार पर कुछ राज्यों में केस भी दर्ज होने लगे हैं। इन सबके बीच इस पर सियासी घमासान भी मचा हुआ है। सत्ता पक्ष ने जहां इसको सही ठहराया है। वहीं विपक्ष ने इस कानून को गलत तरीके संसद में पास करवाने को लेकर इसका विरोध किया है। जानकारों की माने तो कानून भारत के हिसाब से बढ़िया है पर चूकि जब यह संसद में पास हुआ था तब वहां पर विपक्ष के कई सांसद निलंबित किए गए थे इस पर कानून के सबके द्वारा सहमति से पास होने पर बहस का मुद्दा है। चूकि यह दंड संहिता का कानून है और आम जन से जुड़ा होता है इसलिए जरूरी है कि इसे पूरे सदन का अनुमोदन मिलना चाहिए। **इस आधार पर कह सकते हैं सरकार चाहे तो एकबार फिर से इस पर संसद में चर्चा करवा सकती है।**

उधर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने तीन नए आपराधिक कानूनों के लागू होने के बीच सरकार की आलोचना की और कहा कि यह मौजूदा कानूनों को ''ध्वस्त'' करने तथा उनके स्थान पर बिना पर्याप्त चर्चा व बहस के तीन नए कानून लेकर आने का एक और उदाहरण है। पूर्व गृह मंत्री ने कहा कि दीर्घावधि में, तीन कानूनों को संविधान और आपराधिक न्यायशास्त्र के आधुनिक सिद्धांतों के अनुरूप लाने के लिए उनमें और बदलाव किए जाने चाहिए।

नये कानूनों से एक आधुनिक न्याय प्रणाली स्थापित होगी जिसमें 'जीरो एफआईआर', पुलिस में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराना, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम जैसे कि 'एसएमएस' (मोबाइल फोन पर संदेश) के जरिये समन भेजने और सभी जघन्य अपराधों के वारदात स्थल की अनिवार्य वीडियोग्राफी जैसे प्रावधान शामिल होंगे। नये कानूनों के तहत आपराधिक मामलों में फैसला मुकदमा पूरा होने के 45 दिन के भीतर आएगा और पहली सुनवाई के 60 दिन के भीतर आरोप तय किए जाएंगे। बम्बई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय ने परिवर्तन का विरोध करने की स्वाभाविक मानवीय प्रवृत्ति को रेखांकित करते हुए इस बात पर जोर दिया है कि नये आपराधिक कानूनों का स्वागत किया जाना चाहिए और उन्हें बदली हुई मानसिकता के साथ लागू किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति देवेन्द्र कुमार उपाध्याय ने कहा, परिवर्तन का विरोध करना या अपनी आराम तलबी से बाहर आने को नापसंद करना हमारी स्वाभाविक प्रवृत्ति है। यह अज्ञात का भय है जो इस प्रतिरोध का कारण बनता है और हमारे तर्क को प्रभावित करता है। वहीं दूसरी ओर उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता और भारत के पीआईएल मैन के रूप में विख्यात अश्विनी उपाध्याय ने कहा है कि ये कानून एक साल में न्याय मिलना सुनिश्चित करेंगे और इससे भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में दूरगामी बदलाव आएंगे। नये कानूनों की खासियतों की बात करें तो आपको बता दें कि इनमें कुछ मौजूदा सामाजिक वास्तविकताओं और अपराधों से निपटने का प्रयास किया गया।

विपक्ष के आरोप भ्रम फैलाने वाले, कमी हो तो सुझाव दें : शाह

गृमंत्री अमित शाह ने कहा कि विपक्ष आरोप लगा रहा है कि रिमांड के दिन बढ़ा दिए गए हैं। लेकिन ये सब केवल भ्रम फैलाने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि 15 दिन ही होगा रिमांड, लेकिन 15 दिन की अपर लिमिट होगी। उन्होंने कहा कि अगर कोई आरोपी 15 दिन अस्पताल में भर्ती हो जाए तो क्या पूछताछ होगी। इसलिए 15 दिन की अपर लिमिट रखी है। शाह ने कहा कि विपक्ष इन तीन कानूनों पर हंगामा कर रहा है, लेकिन इसमें ऐसा कुछ नहीं जिसपर शोर मचाया जाए। उन्होंने कहा कि इन कानूनों पर संसद में चर्चा हुई थी। शाह ने कहा कि मुझसे किसी ने मिलने का समय नहीं मांगा और इसमें कुछ बदलाव की बात नहीं कही। अगर किसी विपक्षी नेता को कोई कमी लगती है तो वो सुझाव दे।

संसदीय प्रणाली पर नहीं चलने देंगे बुलडोजर न्याय : खरगे

मल्लिकार्जुन खरगे ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि चुनाव में राजनीतिक और नैतिक झटके के बाद, मोदी जी और भाजपा संविधान का सम्मान करने का दिखावा कर रहे हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि आज से लागू होने वाले आपराधिक न्याय प्रणाली के तीन कानून 146 सांसदों को निलंबित करके जबरन पारित किए गए थे। उन्होंने कहा कि भारत अब इस बुलडोजर जस्टिस को संसदीय प्रणाली पर चलने नहीं देगा। खरगे संसद के शीतकालीन सत्र का जिक्र कर रहे थे, जिसमें दोनों सदनों में लगभग दो-तिहाई विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया गया था। संसद सुरक्षा उल्लंघन के खिलाफ विपक्ष के विरोध के बीच बड़े पैमाने पर निलंबन हुआ।

बिना पर्याप्त चर्चा और बहस के बनाया कानून : चिदंबरम

कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने कहा कि यह मौजूदा कानूनों को ध्वस्त करने तथा उन्हें बिना पर्याप्त चर्चा और बहस के तीन नए विधेयकों से बदलने का एक और मामला है। पूर्व गृह मंत्री ने कहा कि दीर्घावधि में, तीनों कानूनों को संविधान और आपराधिक न्यायशास्त्र के आधुनिक सिद्धांतों के अनुरूप बनाने के लिए इनमें और बदलाव किए जाने चाहिए। जो काम मौजूदा तीन कानूनों में कुछ संशोधनों के साथ पूरा किया जा सकता था, उसे एक बेकार की कवायद में बदल दिया गया है। उन्होंने कहा, हां, नए कानूनों में कुछ सुधार हैं और हमने उनका स्वागत किया है। उन्हें संशोधन के रूप में पेश किया जा सकता था। दूसरी ओर, कई प्रतिगामी प्रावधान हैं। कुछ बदलाव प्रथम दृष्टया असंवैधानिक हैं। वरिष्ठ नेता ने कहा कि स्थायी समिति के सदस्य सांसदों ने प्रावधानों पर गहन अध्ययन किया तथा तीनों विधेयकों पर विस्तृत असहमति नोट लिखे। चिदंबरम ने कहा कि सरकार ने असहमति नोट में की गई किसी भी आलोचना का न तो खंडन किया और न ही उसका उत्तर दिया तथा संसद में इस पर कोई सार्थक बहस नहीं हुई।

इन कानूनों से विदेशों में भी भारतीय लोगों के अधिकारों का हनन होगा: डिंपल

समाजवादी पार्टी सांसद डिंपल यादव ने आरोप लगाया कि यह कानून बहुत गलत तरीके से संसद में पास किए गए हैं। इन कानूनों पर कोई चर्चा नहीं है। सपा सांसद ने कहा कि अगर कोई विदेशों में भी अपने अधिकारों को लेकर विरोध करता है तो उन पर भी ये कानून लागू होंगे। कहीं न कहीं यह कानून पूरे देशवासियों पर शिकंजा कसने की तैयारी है। राजनीतिक दबाव के चलते अब तक कई संगीन मुकदमे भी कोर्ट से वापस हो जाते थे, लेकिन एक जुलाई 2024 से तीन नए कानून (भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 व भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023) लागू होने के बाद यह संभव नहीं होगा।

लोगों की नागरिक स्वतंत्रता और अधिकारों के लिए खतरा : ओवैसी

ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, तीन नए आपराधिक कानून के क्रियान्वयन में बड़ी समस्याओं के बावजूद सरकार ने इन्हें दूर करने के लिए कुछ नहीं किया है। ये वे मुद्दे थे जिन्हें मैंने इनके लागू होने का विरोध करने के लिए उठाया था। चार बार के लोकसभा सदस्य ने अपने संबोधन में कहा कि उनके अनुसार, इन कानूनों के प्रावधान 'लोगों की नागरिक स्वतंत्रता और अधिकारों के लिए खतरा' हैं। उन्होंने कहा, ये पुलिस को किसी के भी खिलाफ कार्रवाई करने के लिए व्यापक शक्तियां प्रदान करते हैं।

दिल्ली में रेहड़ी पटरी वाले के खिलाफ एफआईआर

तीन नए क्रिमिनल लॉ के लागू होते ही इसके तहत मध्यप्रदेश और दिल्ली में पहली एफआईआर भी दर्ज हो गई है। पहली एफआईआर दिल्ली के कमला मार्केट में दर्ज हुई। भारतीय न्याय संहिता के तहत ये कार्रवाई रेहड़ी पटरी वाले के खिलाफ हुई है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के फुटओवर ब्रिज के नीचे अवरोध पैदा करने को लेकर ये मामला दर्ज हुआ। कमला मार्केट थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 2023 के तहत पहली एफआईआर दर्ज की गई। दरअसल, व्यक्ति पर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के फुटओवर ब्रिज के नीचे अवरोध पैदा करने को लेकर भारतीय न्याय संहिता की धारा 285 के तहत मामला दर्ज किया गया।

बिहार में भी ठेले वाले पर प्राथमिकी

आरोपी बिहार के बाढ़ का रहने वाला पंकज कुमार है। पुलिस के अनुसार, आरोपी मेन सड़क के किनारे एक ठेले पर तंबाकू और पानी बेच रहा था। इससे लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही थी। जब उसे ठेला हटाने को कहा गया तो उसने मना कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की।

मध्यप्रदेश में गाली गलौज के मामले मे केस दर्ज

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित हनुमाननगंज थाने में नए कानून बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) के तहत पहली एफआईआर हुई है। धारा 296 के तहत गाली गलौज के मामले में ये केस दर्ज हुआ। फरियादी इसरानी मार्केट थाना हनुमाननगंज निवासी 40 वर्षीय प्रफुल्ल चौहान पिता जय नारायण चौहान की शिकायत पर राजा उर्फ हरभजन पर दर्ज की गई है। जिसका घटनास्थल सामातंर सेड कट प्वाइंट है। घटना एक जुलाई रात 12 बजकर 5 मिनट की है। आरोपित राजा ने प्रफुल्ल को गालियां दी थी।

पुराने मामलों के निपटारे पुराने कानून से ही

देश में तीन नए आपराधिक कानून लागू हो गए। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) 2023 पूरे देश में प्रभावी हो गए हैं। इन तीनों कानून ने ब्रिटिश कालीन कानूनों भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है। आज से सभी नयी प्राथमिकियां बीएनएस के तहत दर्ज की जा रही है।

देश को 'पुलिस स्टेट' में बदलने की नींव : मनीष तिवारी

कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने संसद से नए आपराधिक कानूनों की पुनः समीक्षा करने की मांग की और दावा किया है कि ये कानून देश को ''पुलिस स्टेट'' में बदलने की नींव रखते हैं। पुलिस स्टेट वह होता है जहां राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक जीवन पर सरकार का पूरी तरह से नियंत्रण होता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इनका क्रियान्वयन तत्काल रोका जाना चाहिए तथा संसद को इनकी पुनः समीक्षा करनी चाहिए। देश में सोमवार को तीन नए आपराधिक कानून लागू हो गए, जिससे भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में दूरगामी बदलाव आएंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

क्रिकेटरों का देश हित में फैसला!

29 जून की रात सात समुंदर पार बारबाडोस में हमारी टीम ने इतिहास रचा और इधर भारत के शहरों में दिवाली मन गई। कितना उत्साह और उल्लास था, देशवासियों ने यह सब अपने टीवी के पर्दे पर अवश्य देखा होगा। खास बात यह कि पूरे टूर्नामेंट में टीम इंडिया ने अजेय रहते हुए विश्व कप अपने नाम कर लिया। इस शानदार विजय के साथ ही देश के तीन प्रमुख खिलाड़ियों ने टी-20 से संन्यास का ऐलान कर दिया है।

देश के लिए बलिदान होने की चाहत रखना ही देश भक्ति नहीं है। सैनिकों की तरह देश के खिलाड़ी भी अपने शानदार खेल से देश का नाम रोशन करते हैं ,यह अपनी तरह की देश भक्ति है। बता दें कि भारत की टीम ने कमाल का प्रदर्शन किया है। टी-20 विश्व कप में 17 साल का सूखा खत्म हुआ। क्रिकेट के इस छोटे प्रारूप में हम अब विश्व चैम्पियन हैं। पूरी टीम एकजुट होकर खेली और देश को जश्न मनाने का मौका दे दिया। 29 जून की रात सात समुंदर पार बारबाडोस में हमारी टीम ने इतिहास रचा और इधर भारत के शहरों में दिवाली मन गई। कितना उत्साह और उल्लास था, देशवासियों ने यह सब अपने टीवी के पर्दे पर अवश्य देखा होगा। खास बात यह कि पूरे टूर्नामेंट में टीम इंडिया ने अजेय रहते हुए विश्व कप अपने नाम कर लिया। इस शानदार विजय के साथ ही देश के तीन प्रमुख खिलाड़ियों ने टी-20 से संन्यास का ऐलान कर दिया है।

सबसे पहले विराट कोहली, उसके बाद कप्तान रोहित शर्मा और फिर रवींद्र जडेजा ने इस फार्मेट से खुद को अलग कर लिया। यह निर्णय बहुत ही सराहनीय है। ये तीनों 35 से 40 साल के उम्र के बीच में हैं। अत: संन्यास लेने के लिए यही उचित समय भी है। युवा खिलाड़ी बाहर बैठ कर मौके का इंतजार कर रहे हैं। इन तीनों सीनियर खिलाड़ियों ने जो निर्णय किया है वह देशहित में है। इसका स्वागत किया जाना चाहिए। फिर विराट कोहली ने तो कहा भी है कि मैं युवाओं को मौका देने के लिए ही टी-20 से संन्यास ले रहा हूं। यह जीत लंबे अर्से बाद हासिल हुई है। आईसीसी का कोई टूर्नामेंट भारत ने 2013 में जीता था। तब चैम्पियंस ट्राफी में हमें जीत मिली थी। इस जीत के बाद पूरे टीम में खुशी का माहौल है। टीम के युवा खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल,यजुवेंद्र , संजू सैमसन सभी उत्साहित हैं और आने वाले समय में देश के लिए अच्छा प्रदर्शन कर अपनी देश भक्ति का नूमना दिखाने को तैयार हैं। वहीं इसबार जो टीम टी-20 मुकाबले के लिए वहां गई हैं वह अलग जज्बे वाली है। उसमे हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, सूर्य कुमार व ऋषभ पंत शामिल हैं। सबसे अद्भुत खिलाड़ी तो विकेट कीपर पंत रहे जो पिछले साल ही भयानक दुर्घटना में जिंदगी और मौत के बीच झूलकर वापस आए और उन्होंने पिछले दो तीन महीने में अपने खेल में वापसी की। उन्होंने टी-20 विश्वकप में भी अपने प्रदर्शन से सबको चकित किया। इसबार की टीम को देखकर कहा जा सकता है कि अब भारत की युवा टीम अपने सीनियरों से भी आगे जाएगी। अभी टीम इंडिया बारबाडोस में ही है, वहां पर मौसम की खराबी की वजह से भारतीय टीम को रूकना पड़ा हैं। जल्द ही टीम भारत आ जाएगी। अभी तो पूरा देश उन रणबांकुरों का इंतजार कर रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नर हो न निराश करो मन को

रेनू सैनी

आप पहला कदम उत्साह और आशा भरा बढ़ाएंगे तो पूरा मार्ग हंसते-हंसते कट जाएगा। वहीं यदि आप निराशा भरे थके कदमों से मंजिल की ओर बढ़ेंगे तो बीच में ही थक जाएंगे, टूट जाएंगे और गलत मार्ग पर भटक जाएंगे। आप जानते हैं कि जीवन में प्रकृति द्वारा प्राप्त सबसे खूबसूरत नियामत क्या है? वह है आशा। आशा प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक ऐसी धुरी है जो सब कुछ मिट जाने पर भी उसके लिए सब कुछ अर्जित करने की सामर्थ्य रखती है। वहीं निराशा एक ऐसी मनोदशा है जो व्यक्ति को मृतप्राय कर देती है। उसके सोचने-समझने की शक्ति क्षीण कर देती है और उसे मृत्यु की ओर धकेल देती है। हालांकि, निराशा एक भावनात्मक प्रतिक्रिया है। यह व्यक्ति के अंदर निम्न कारणों से उत्पन्न हो सकती है- मनचाही वस्तुओं की प्राप्ति न होना। किसी प्रिय का बिछुड़ जाना या मृत्यु को प्राप्त हो जाना। कार्य में असफलता प्राप्त होना। बीमारी के कारण। एकाएक अनेक समस्याओं का आना।

परेशानी, समस्या, असफलता, बीमारी के समय निराशा होना एक नैसर्गिक भाव है। अगर यह थोड़ी देर के लिए होती है तो कोई बुराई नहीं है। लेकिन अगर यह लंबे समय तक व्यक्ति के अंदर व्याप्त रहे तो पूरा जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। निराशा सबसे पहले व्यक्ति की मानसिक दशा को प्रभावित करती है और इसके बाद धीरे-धीरे उसके शरीर को अपनी गिरफ्त में जकड़ने लगती है। निराशा से व्यक्ति को निम्न समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं- आत्मविश्वास का लड़खड़ा जाना। खाने से विरक्ति होना। किसी से बात करने की इच्छा न होना। सार्वजनिक कार्यक्रमों में जाने से बचना। लोगों का सामना करने से बचना। मुंशी प्रेमचंद कहते हैं कि, 'निराशा चारों ओर अंधकार बनकर दिखाई देती है।' निराशा एक ऐसी भंवर है जिसमें व्यक्ति दिन-प्रतिदिन डूबता जाता है और अंत में उसी में डूब कर विलीन हो जाता है। इसलिए निराशा को अपने व्यक्तित्व का अंग बनने से बचना चाहिए। ऋषभ पंत क्रिकेट जगत का एक जाना-पहचाना सितारा है। उन्होंने अपने अब तक के कॅरिअर में क्रिकेट में अनेक सफलताएं अर्जित की हैं।

लेकिन समय सदा एक-सा नहीं रहता। वर्ष 2022 के एक कार हादसे में वे मौत के मुंह में जाने से बाल-बाल बचे। उनके घुटने एवं कलाइयों में बहुत चोटें आईं। क्रिकेट से उनकी दूरी बन

गई। ऋषभ पंत के जीवन की धुरी क्रिकेट ही था। वे सोते-जागते क्रिकेट के ही सपने देखते थे। अब क्रिकेट खेलना मुश्किल था। धीरे-धीरे वे जीवन से निराश होते गए। लेकिन एक दिन उन्होंने स्वयं से सवाल किया कि यदि मैं दिन-प्रतिदिन निराश होकर बिना कुछ किए ऐसे ही पड़ा रहा तो मेरा क्रिकेट खेलना जरूर बंद हो जाएगा। बस उसी दिन से उन्होंने निराशा का चोला उतार फेंका और अपने अंदर आशा का संचार किया। उस दिन उन्होंने एक्सीडेंट होने के बाद से पहली बार क्रिकेट खेला। उन्हें उस दिन थोड़ी सी परेशानी हुई। लेकिन फिर वे नियम से क्रिकेट का अभ्यास करने लगे। धीरे-धीरे उनकी चोट ठीक होती रही और क्रिकेट भी सुधरता रहा। अपने व्यक्तित्व से निराशा को दूर फेंकने के कारण वर्ष 2024 में उन्होंने क्रिकेट में जोरदार वापसी की और आईपीएल एवं टी-20 विश्वकप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस तरह आशा, श्रम एवं अभ्यास ने उनके अंदर से निराशा के भावों को दूर कर दिया। दुनिया में कोई भी ऐसा इंसान नहीं है जिसे निराशा का सामना न करना पड़ा हो। लेकिन वह निराशा कुछ देर के लिए होनी चाहिए। अगर फिर भी व्यक्ति स्वयं को संभाल नहीं पा रहा है तो उसे निम्न बातों का नियमित पालना करना चाहिए:- सुबह जल्दी उठना। नियमित व्यायाम करना। सकारात्मक पुस्तकें पढ़ना और इंटरनेट पर सकारात्मक एवं प्रेरक वीडियो देखना। नि:स्वार्थ भाव से जरूरतमंद लोगों की मदद करना। अपने कार्य का प्रतिदिन अभ्यास करना। श्रम से अपने कार्य को करने का प्रयास करना। अगर इसके बाद भी आप निराशा अनुभव करें तो इस बात को सदैव याद रखें कि आशा सूर्यमुखी का पुष्प है जो सदैव सूर्य की ओर देखता है।

इसके विपरीत निराशा एक ऐसी अंधेरी सुरंग है जिसमें यदि एक बार प्रवेश कर लिया जाए तो व्यक्ति गहन अंधकार की ओर बढ़ता जाता है और फिर उसी में विलुप्त हो जाता है। आशा संजीवनी है जो मृत होते व्यक्ति में भी प्राणों का संचार करने की सामर्थ्य रखती है, वहीं निराशा एक ऐसा विष है जो किसी भी व्यक्ति को मृतप्राय कर देती है। अब निर्णय आपको करना है कि आपको आशा के संग रहना है या फिर निराशा का दामन थामना है। जब भी निराश होने लगो तो मैथिलीशरण गुप्त की इन पंक्तियों को गुनगुनाना मत भूलो कि, 'नर हो न निराश करो मन को, कुछ काम करो, कुछ काम करो। जग में रहकर कुछ नाम करो।'

मनोरंजन के बाजार में वायरल संस्कृति का दौर

योगेश के. समदर्शी

पहले लोग जिस फील्ड में प्रसिद्ध होते थे तो उसके लिए बहुत मेहनत करते थे। किंतु आज यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स ने यह मिथक तोड़ दिया है। अब तो कोई कुछ भी कह कर या बेच कर फेमस यानी सलेब्रिटी बन सकता है। हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बिग बॉस के ओटीटी सीरीज नं.-3 की शुरुआत हुई। यह तो विदित है कि यह शो सलेब्रिटीज के लिए ही है। इसमें प्रसिद्ध शख्सियतों को एक मकान में बंद रखा जाता है।

सनसनी से खलबली, खलबली से टीआरपी, टीआरपी से एमआरपी और एमआरपी से कमाई- आज के दौर में इंटरटेनमेंट इंडस्ट्री इसी सूत्र पर कार्य करती दिखाई दे रही है। यूट्यूब और सोशल मीडिया पारंपरिक मीडिया पर हावी हो चुका है। अब ये सोशल मीडिया सलेब्रिटी दे रहा है। बहुत दिन नहीं हुए हैं जब हमारे बीच सलेब्रिटी या तो टीवी के सीरियल से आते थे या उससे भी पहले केवल फिल्मों के अभिनेता ही सलेब्रिटी कहलाते थे। इसके अतिरिक्त कुछ पॉलिटिशियन, बिजनेसमेन, खिलाड़ी, गायक, कलाकार, या कुछ अन्य विशिष्ट योग्यता रखने वाले ही प्रसिद्ध व्यक्तित्व के रूप में उभरते थे। दौर बदला तो कुछ क्राइम की दुनिया के लोग भी प्रसिद्धि पाने लगे।

इंटरनेट के मोबाइल पर उतर आए जलवे ने सोशल मीडिया टर्म का विकास किया। आज के दौर में हर व्यक्ति के हाथ में उसका मीडिया तंत्र है। इस तंत्र में व्यक्ति चाहे तो दर्शक बन सकता है और चाहे तो मीडियाकर्मी भी। यह दौर वायरल का दौर है। कौन, कब और कैसे वायरल होगा- इसका कोई सैद्धांतिक पक्ष अभी निर्धारित नहीं हो पाया है। पहले लोग जिस फील्ड में प्रसिद्ध होते थे तो उसके लिए बहुत मेहनत करते थे। किंतु आज यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स ने यह मिथक तोड़ दिया है। अब तो कोई कुछ भी कह कर या बेच कर फेमस यानी सलेब्रिटी बन सकता है। हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बिग बॉस के ओटीटी सीरीज नं.-3 की शुरुआत हुई। यह तो विदित है कि यह शो सलेब्रिटीज के लिए ही है। इसमें प्रसिद्ध शख्सियतों को एक मकान में बंद रखा जाता है। उनकी हर गतिविधि पर सैकड़ों कैमरे नजर रखते हैं। उनके वास्तविक व्यवहार को ही इस शो का कंटेंट बनाया जाता है। और 24 घंटे इनकी हरकतों व व्यवहार को जनता के सामने परोसा जाता है। इस सब से ही टीआरपी डेवलप की जाती है। बड़े-बड़े कॉर्पोरेट संस्थानों से विज्ञापन ले कर यह शो करोड़ों के वारे-न्यारे करता है। शो में आने वाले सलेब्रिटीज प्रति सप्ताह के अच्छे-खासे बजट पर इसमें शामिल होते हैं।

इस बार के शो में भी कुछ विख्यात और तो कुछ कुख्यात शख्सियतों का इसमें जमघट है। इस शो में आने वाले सलेब्रिटी हमेशा ही विवादों में रहने वाली शख्सियतें होती हैं। इस बार जो सीजन-3 प्रारंभ हुआ है उसके सभी प्रतिभागी किसी न किसी कारण से वायरल हुए लोग ही हैं। अपवाद को छोड़ दें, तो इनमें से ज्यादातर की व्यक्तिगत उपलब्धि इतनी ही है कि ये बहुत कम समय में प्रसिद्ध हो गये या विवादित हो गये। या किसी न किसी कंट्रोवर्सी का हिस्सा बन गये। इसके अतिरिक्त इनमें से अधिकतर की कोई नैतिक भूमिका समाज की कोई दिशा-दशा तय करने में नहीं ही रही। वैसे तो बिग बॉस का ओटीटी शो हो या प्राइम टाइम में चलने वाला शो जिसके होस्ट सलमान खान रहते हैं- दोनों में ही अकसर कंट्रोवर्सियल व्यक्तियों को शामिल किया जाता है। वजह यह कि उनके झगड़े, तेवर, बेहूदगी, वाहियात व अश्लील हरकतें, फूहड़ बयानबाजी, गाली-गलौज, तू-तड़ाक, अहंकार के टकराव, बड़बोलापन, और जितनी भी बदतमीजियां हो सकती हैं, वही इस शो का मूल कंटेंट होता है, जिसे टीवी या अब ओटीटी के माध्यम से समाज को दिखाया जाता है। यह शो समाज के हित में तो किसी भी तरह नहीं कहा जा सकता। यूं भी इंटरटेनमेंट मीडिया ने अपना नैतिक जिम्मेदारी का पथ तो कब का छोड़ दिया है। इंटरटेनमेंट के चक्कर में फिल्मी डायलॉग वाला सिद्धांत ही सब मानने लगे हैं कि इंटरटेनमेंट का मतलब है- इंटरटेनमेंट, इंटरटेनमेंट और इंटरटेनमेंट। चाहे वह इंटरटेनमेंट फूहड़ बयानों से आये या अश्लील हरकतों से। समाज इन दृश्यों को देख कर कहां जाएगा? कहां जाना चाहिए और कैसा समाज इस तरह के शो से बनेगा इसकी चिंता करने का जिम्मा इंटरटेनमेंट मीडिया ने अलग रख दिया है। नये सीजन में जो लोग आ रहे हैं उनमें ज्यादातर यूट्यूब या सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसिद्ध हुए हैं। इस बार बिग बॉस के ओटीटी सीजन-3 की होस्टिंग झकास अभिनेता अनिल कपूर कर रहे हैं। शो का जो फॉर्मेट है और जैसा कंटेंट शो को चाहिए होता है - हो हल्ले वाला, गाली-गलौज व लड़ाई-झगड़े वाला- इसके लिए सब मजबूत किरदार घर यानी शो के स्थल में प्रवेश पा चुके हैं।

समाज को ये किरदार क्या देंगे ऐसे प्रश्न यूं भी आज के दौर में बेबुनियाद लगते हैं। हमारा इंटरटेनमेंट मीडिया तंत्र आदर्श और नैतिक किरदारों को पैदा करने की नीयत से अमूमन कभी कोई शो बनाता ही नहीं है। यहां तो हर किसी को सनसनी फैलानी है। नैतिकता की छाती पर सनसनी और फूहड़ता के कई झंडे गड़ चुके हैं। 'महंगाई के जमाने में शुद्धता की उम्मीद न रखो'- ये उक्ति मीडिया और इंटरटेनमेंट की मार्केट के बारे में भी प्रकारांतर से इस तरह कही जा सकती है कि इंटरटेनमेंट के दौर में नैतिकता और मानवीय मूल्यों की उम्मीद लगभग बेमानी है।

मानसून में न करें इन चीजों का सेवन

मानसून के मौसम में पत्तेदार सब्जियां बिल्कुल वर्जित हैं

भारत में मानसून का आमतौर पर आना अपनी खुशियों और परेशानियों के साथ आता है। अपने हाथ में चाय का कप लेकर खिड़की के पास बैठकर, तेज़ बारिश को प्राकृतिक रूप से देखना काफी आकर्षक शौक हो सकता है, किसी का वास्तव में नमी और तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण अपनी प्रतिरक्षा पर अधिक नियंत्रण नहीं होता है। हालांकि, आप कुछ खाद्य पदार्थों से तब तक परहेज करके कुछ निवारक उपाय कर सकते हैं जब तक यह जारी है। दअसल, शुक्रवार, 28 जून राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक ऐतिहासिक दिन है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में 228.1 मिमी बारिश दर्ज की गई - जो जून 1936 के बाद दूसरी सबसे अधिक बारिश है, जब 235.5 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। मानसून के दौरान इन चीजों का सेवन भूलकर भी न करें।

पत्तेदार सब्जियां

मानसून के मौसम में पत्तेदार सब्जियां बिल्कुल वर्जित हैं। पालक, पत्तागोभी, सलाद पत्ता और बोक चॉय जैसी कुछ सब्जियों में पानी की मात्रा अधिक होती है। हवा में नमी के कारण मानसून का तापमान बाधित होता है, जिससे हरी पत्तेदार सब्जियां बैक्टीरिया और कवक के विकास के लिए एक बहुत ही संभावित प्रजनन स्थल बन जाती हैं। यदि पर्याप्त तीव्र हो, तो यह पेट में संक्रमण का कारण बन सकता है।

जड़ में उगने वाली सब्जियां

जड़ वाली सब्जियां वास्तव में अधिकांश लोगों के दैनिक आहार का एक अभिन्न अंग हैं। फिर उन्हें पूरी तरह से काटना वास्तव में काफी कठिन साबित हो सकता है। इसके उदाहरणों में प्याज जैसे बल्ब, गाजर जैसी मूसला जड़ें और हर किसी के पसंदीदा कंद, आलू शामिल हैं। इन सब्जियों से परहेज करने के पीछे तर्क यह है कि मिट्टी में पानी की उच्च मात्रा सब्जियों को बहुत अधिक नमी अवशोषित करने में सक्षम बनाती है। यह अनजाने में उन्हें बैक्टीरिया के विकास के प्रति अधिक संवेदनशील बना देता है। मानसून के दौरान जड़ वाली सब्जियों का सुरक्षित रूप से सेवन करने का एक तरीका यह है कि उन्हें अच्छी तरह उबाल लें या अच्छी तरह से पका लें। हालांकि, इस दौरान जड़ वाली सब्जियों को कच्चा, जैसे कि सलाद में, खाने से बचें।

समुद्री भोजन

समुद्री भोजन एक ऐसी चीज है जो पूरे साल उपलब्ध रहता है। हालांकि, साल के इस समय मछली और झींगा जैसी स्वादिष्ट वस्तुएं रोगजनकों और बैक्टीरिया के संपर्क में अधिक आती हैं, जो पहले से ही मीठे पानी के निकायों में बढ़ जाती हैं। यह स्वाभाविक रूप से समुद्री भोजन का सेवन करने वाले व्यक्ति के बीमार पड़ने के उच्च जोखिम का द्वार खोलता है।

ध्यान रखने योग्य अतिरिक्त बातें

दही जैसी चीजें जो आमतौर पर ठंडी खाई जाती हैं और उनमें पानी की मात्रा स्वाभाविक रूप से अधिक होती है, उन लोगों के लिए लंबे समय तक परेशानी पैदा कर सकती है जो पहले से ही माइग्रेन या बंद साइनस से ग्रस्त हैं। इसके अतिरिक्त, बारिश के मौसम में सभी प्रकार के खरबूजे और ककड़ी और बैंगन जैसी वस्तुओं का सेवन कम करना सबसे अच्छा है।

हंसना मना है

मोटू: आखिर आज पता चल ही गया कि पत्नी को बेगम क्यों कहते हैं...क्योंकि शादी के बाद पत्नी बे, गम हो जाती है और सारे गम पति के हिस्से में चले जाते हैं।

लड़की ने प्यार से लड़के के सीने पर पना सर रखा और बोली: जानू, आपका दिल कितना कुरकुरा है। लड़का: अरे पगली, दिल कुरकुरा नहीं है, जेब में बीड़ी का बंडल पड़ा है।

पति: क्या तुम जानती हो दुनिया में सबसे ज्यादा शरीफ कौन है? पत्नी: दुनिया में सिर्फ वही लोग शरीफ हैं। जिनके मोबाइल में पासवर्ड नहीं है।

पिंकी: यार मेरे बाल बहुत झड़ रहे हैं। चिंकी: क्यों? पिंकी: चिंता से यार। चिंकी: किस बात की चिंता है यार तुझे? पिंकी: बाल झड़ने की...

लड़की ने प्यार से लड़के के सीने पर पना सर रखा और बोली: जानू, आपका दिल कितना कुरकुरा है। लड़का: अरे पगली, दिल कुरकुरा नहीं है, जेब में बीड़ी का बंडल पड़ा है।

जज: घर में मालिक के रहते हुए तुमने चोरी कैसे की? गोलू: जज साहब आपकी अच्छी नौकरी है, सैलरी भी अच्छी है, फिर आप ये सीख कर क्या करोगे...?

कहानी | रंग-बिरंगे नाखून

राजा कृष्णदेव राय पशु-पक्षियों से बहुत प्यार करते थे। एक दिन एक बहेलिया राजदरबार में आया। उसके पास पिंजरे में एक सुंदर व रंगीन विचित्र किस्म का पक्षी था। वह राजा से बोला, महाराज, इस सुंदर व विचित्र पक्षी को मैंने कल जंगल से पकड़ा है। यह बहुत मीठा गाता है तथा तोते के समान बोल भी सकता है। यह मोर के समान रंग-बिरंगा ही नहीं है बल्कि उसके समान नाच कर भी दिखा सकता है। मैं यहां यह पक्षी आपको बेचने के लिए आया हूं। राजा ने पक्षी को देखा और बोले, हां, देखने में यह पक्षी बहुत रंग-बिरंगा और विचित्र है। तुम्हें इसके लिए उपयुक्त मूल्य दिया जाएगा। राजा ने बहेलिए को 50 स्वर्ण मुद्राएं दीं और उस पक्षी को अपने महल के बगीचे में रखवाने का आदेश दिया। तभी तेनालीराम अपने स्थान से उठा और बोला, महाराज, मुझे नहीं लगता कि यह पक्षी बरसात में मोर के समान नृत्य कर सकता है बल्कि मुझे तो लगता है कि यह पक्षी कई वर्षों से नहाया भी नहीं है।तेनालीराम की बात सुनकर बहेलिया डर गया और दुखी स्वर में राजा से बोला, महाराज, मैं एक निर्धन बहेलिया हूं। पक्षियों को पकड़ना और बेचना ही मेरी आजीविका है। अत: मैं समझता हूं कि पक्षियों के बारे में मेरी जानकारी पर बिना किसी प्रमाण के आरोप लगाना अनुचित है। यदि मैं निर्धन हूं तो क्या तेनालीजी को मुझे झूठा कहने का अधिकार मिल गया है। बहेलिए की यह बात सुन महाराज भी तेनालीराम से अप्रसन्न होते हुए बोले, तेनालीराम, तुम्हें ऐसा कहना शोभा नहीं देता। क्या तुम अपनी बात सिद्ध कर सकते हो? मैं अपनी बात सिद्ध करना चाहता हूं, महाराज। यह कहते हुए तेनालीराम ने एक गिलास पानी पक्षी के पिंजरे में गिरा दिया। पक्षी गीला हो गया और सभी दरबारी पक्षी को आश्चर्य से देखने लगे। पक्षी पर गिरा पानी रंगीन हो गया और उसका रंग हल्का भूरा हो गया। राजा तेनालीराम को आश्चर्य से देखने लगे। तेनालीराम बोला, महाराज यह कोई विचित्र पक्षी नहीं है बल्कि जंगली कबूतर है। परंतु तेनालीराम तुम्हें कैसे पता लगा कि यह पक्षी रंगा गया है? महाराज, बहेलिए के रंगीन नाखूनों से। पक्षी पर लगे रंग तथा उसके नाखूनों का रंग एक समान है। अपनी पोल खुलते देख बहेलिया भागने का प्रयास करने लगा, परंतु सैनिकों ने उसे पकड़ लिया। राजा ने उसे धोखा देने के अपराध में जेल में डाल दिया और उसे दिया गया पुरस्कार अर्थात 50 स्वर्ण मुद्राएं तेनालीराम को दे दिया गया।

7 अंतर खोजें

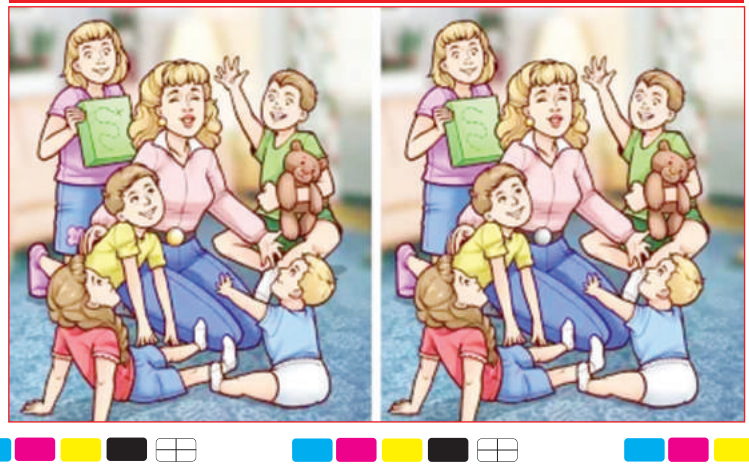

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन गृहों की स्थिति के कारण उलझन में डालने वाला रहेगा। आप किसी परेशान करने वाली समस्या के बारे में लगातार सोचते रहेंगे। लेकिन केवल सोचते रहने से कुछ समाधान हाथ न लगेगा।

वृषभ

आपकी अपने पिछले समय में से किसी पुराने व्यक्ति से मिलने की सम्भावना है और यह व्यक्ति आपके भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मिथुन

दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी। आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी। सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं।

कर्क

आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा। लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे।

सिंह

आप आज सृजनात्मक महसूस करेंगे और बहुत सारे कामों के लिए खुद को तैयार पायेंगे। हालंकि आपको यह वास्तविक भय रहेगा कि दूसरे क्या सोचेंगे और कहेंगे?

कन्या

आज आपको कुछ चौंकाने वाली बातें पता चलेंगी। लेकिन चिंता ना करें,सब अच्छी खबरें होंगी। जिन कई चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे थे,वे आज पूरी होने वाली हैं।

तुला

अपने घर से जुड़ी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें। निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं। अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें।

वृश्चिक

आज आपके लिए गंभीरता से मेहनत करने का दिन है। आप काफी लम्बे समय से लटक रहा एक काम संतोषजनक ढंग से पूरा करने में सफल रहेंगे। इससे आपके अफसर प्रभावित होंगे।

धनु

आप आज रियल एस्टेट से जुड़ा कोई लाभकारी लेनदेन पूरा करने वाले हैं। सकारात्मक सोच आपकी शक्ति है और आपको इसका लाभ उठाना है। आपका कोई करीबी भी आपको इसके लिए प्रोत्साहित करेगा।

मकर

आपने किसी परियोजना में अपना काफी समय और प्रयास लगाये हैं और आपको अब इसका फल मिलना शुरू हो जाएगा। दूरदृष्टि के साथ साथ आपके दृढ संकल्प और प्रयास भी रंग लाये हैं।

कुम्भ

आज आप बहुत जल्दी में हैं। आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी क्योंकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियाँ हो सकती हैं।

मीन

आप आसानी से आगे होने वाली बातों का अनुमान लगा लेते हैं। आपकी संचार क्षमता भी प्रभावशाली और नजरिया खुला है,इसीलिए जो आप चाहते हैं उसके लिए बहुत मेहनत करें।

बॉलीवुड | मन की बात

इंडस्ट्री में काम न मिलने पर आहत हैं अभिजीत भट्टाचार्य

अभिजीत भट्टाचार्य ने एक से बढ़कर एक गाने गाए हैं। उनके 90 के दशक के गाने लोगों की जुबान पर आज भी रहते हैं। उन्होंने कई सुपरस्टार के साथ काम किया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने म्यूजिक इंडस्ट्री को लेकर कई सारे राज खोले हैं। सिंगर ने बताया कि कैसे उन्हें फिल्मों में गाने का मौका नहीं मिल रहा जिसको लेकर वो निराश हैं। अभिजीत भट्टाचार्य के गाने शायद ही कोई होगा जिन्हें ना पसंद हो। अभिजीत ने अपनी शानदार आवाज से दर्शकों को दिलों में खास जगह बनाई है। उनके कई गानों को तो अवॉर्ड से भी नवाजा जा चुका है। अब हाल ही में उन्होंने मीडिया के साथ बातचीत में फिल्मों में गाना न मिलने पर खुलकर बात की है। जब सिंगर से पूछा गया कि क्या उन्हें कभी इस तरह की आलोचना सहनी पड़ी है, जिससे उन्हें अपमानित महसूस हुआ हो? पर कुछ सीख भी मिली हो। जिसके जवाब में उन्होंने म्यूजिक इंडस्ट्री में होने वाली राजनीति पर बात की। उन्होंने बताया कि उनके साथ राजनीति बहुत हुई है। सिंगर ने कहा, म्यूजिक डायरेक्टर को जैसे ही लगा कि शाहरुख खान की पिक्चर मिल गई, कितने भी क्लोज हो मेरे वो म्यूजिक डायरेक्टर, ऐसा लगता था कि उसका मोटिव ही था की अभिजीत को नहीं गावाऊंगा। आगे उन्होंने बताया कि जब मैंने यस बॉस में अपने गाने के लिए अवॉर्ड जीता, तो बॉर्डर, परदेस और दिल तो पागल है जैसी फिल्मों के सभी ब्लॉकबस्टर ट्रैक में मेरा गाना ही सिर्फ नॉन-ब्लॉकबस्टर गाना था। मैं यह नहीं कहता कि सिर्फ मैं ही अवॉर्ड जीत सकता था, यह किसी को भी मिल सकता था। उसके बाद, कई म्यूजिक डायरेक्टर ने मुझे खुलेआम कहा कि वह अपने गाने मुझे नहीं देंगे।

लाइव कॉन्सर्ट के दौरान बदसलूकी का शिकार हुईं मोनाली ठाकुर

बॉलीवुड | गपशप

सिंगर मोनाली ठाकुर इन दिनों भोपाल में कॉन्सर्ट में धूम मचा रही हैं। एक कॉन्सर्ट के जरिए सिंगर के साथ ऑडिएंस में बैठे एक शख्स ने बदसलूकी की। जिसके बाद सिंगर ने उस आदमी की कॉन्सर्ट के बीच में ही जमकर फटकार लगाई। खबर है कि घटना है तब कि है जब वह कॉन्सर्ट कर रही थीं। उन्होंने कॉन्सर्ट रोका और उसे अच्छे से डांट लगाई साथ ही दूसरों को भी एलर्ट रहने को कहा। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, भोपाल में एक जगह पर मोनाली ठाकुर का लाइव कॉन्सर्ट हो रहा था। तभी ऑडियंस में बैठे एक शख्स ने सिंगर के प्राइवेट पार्ट को लेकर कुछ गंदा इशारा किया। इसके बाद मोनाली ने उस आदमी को जमकर फटकारा। मोनाली ठाकुर ने कहा, कुछ लोग छिपकर लोगों को हैरेस करते हैं। ये सेक्सुअल हैरेस्मेंट का मामला ठीक नहीं है। मैं इस मुद्दे पर आवाज उठा रही हूं, जिससे ये आदमी हमेशा याद रखे और इसे सबक मिले।

लोगों से की खास अपील

सिंगर ने कहा, मैं कहना चाहूंगी कि ऐसा कुछ भी किसी के साथ होता है तो आवाज उठाएं। मौका मिला तो मैंने कहा, बाकियों का पता चलता तो उनको भी बोलती। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब मामले की जांच की गई तब लड़के ने बताया कि वह सिंगर के डांस मूव्स की तारीफ कर रहा था, लेकिन उन्होंने इशारे को गलत समझ लिया।

अगर कोई किसी शख्स को इस तरह पब्लिक डोमेन में चिल्लाएं तभी इन जैसे लोगों की अकल ठिकाने आएगी। आपको इस तरह की हरकत नहीं करनी चाहिए। ये मेरे लिए ही नहीं बल्कि किसी के लिए भी अच्छा नहीं होता।

'बैड न्यूज' लेकर आ रहे विक्की कौशल

विक्की कौशल अपनी अपकमिंग कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'बैड न्यूज' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वो तृप्ति डिमरी और एमी विर्क के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में कॉमेडी के साथ-साथ रोमांस का भी तड़का देखने को मिलेगा। फिल्म को करने के पीछे की वजह बताते हुए एक्टर ने कहा है कि उन्होंने इस मूवी के लिए इसलिए हामी भरी, क्योंकि वह कॉमेडी जॉनर को एक्सप्लोर करना चाहते थे। वह ऐसा कुछ करना चाहते थे, जो उन्होंने पहले नहीं किया है।

एक्टर ने कॉमेडी फिल्म की शूटिंग के एक्सपीरियंस को शेयर किया। उन्होंने कहा कि इस जॉनर में पहली बार काम करने के बावजूद उन्हें इसमें काफी सहजता महसूस हुई। वह कहते हैं, 'मेरे लिए इस फिल्म की शूटिंग घर पर होने जैसा था। आनंद तिवारी और करण जौहर के साथ काम करना काफी अच्छा रहा, साथ ही स्क्रिप्ट भी बहुत अच्छी थी। फिल्म का कॉन्सेप्ट मुझे नया लगा और इसमें कॉमेडी भरपूर है, हालांकि मैंने बतौर एक्टर कॉमेडी जॉनर को ज्यादा एक्सप्लोर नहीं किया है।'

फिल्म डायरेक्टर आनंद तिवारी के बारे में बात करते हुए विक्की ने कहा, 'एक बेहतरीन एक्टर होने के अलावा, वह एक शानदार डायरेक्टर भी हैं, खासकर जब कॉमेडी की बात आती है, तो उनसे बेहतर एक्टर कोई नहीं हैं'। एक्टर ने आगे कहा, 'मेरे लिए यह कुछ नया भी था।

सीन में जिस तरह की एनर्जी दिखाने की जरूरत होती है, वह मुझे सेट से मिली। मैं एक फैमिली के साथ काम कर रहा था, जो काफी मायने रखता है, क्योंकि मैंने कॉमेडी जॉनर में न के बराबर काम किया है और बहुत सी चीजें मेरे लिए नई थीं। इसलिए, बिना ज्यादा सोचे-समझे, मैंने इनके सामने सरेंडर कर दिया।'

अजब-गजब | यहां रात के बारह बजे भी लें दोपहर का मजा!

दुनिया की वो जगह, जहां कभी नहीं डूबता सूरज

दिन है तो रात होगी, उजाला है तो अंधेरा भी होगा। यानी जब सूर्योदय होता है तो सूर्यास्त भी निश्चित है। ये बातें हम बचपन से सुनते और देखते आ रहे हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर एक बार सूर्योदय तो हो गया, लेकिन सूर्यास्त महीनों तक नहीं होता। दिन तो दिन, आधी रात को भी यहां पर तेज धूप निकली रहती है। यानी रात के बारह बजे भी आप दोपहर का मजा ले सकते हैं। क्या आप ऐसी किसी जगह के बारे में जानते हैं? अगर नहीं जानते तो हम बता दें कि ऐसी एक जगह नॉर्वे में है, जिसका नाम लोफोटेन है। हालांकि, ये इकलौती ऐसी जगह नहीं है, इसके अलावा भी धरती कई जगहें हैं, जहां पर आपको हमेशा धूप मिलेगी।

सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर लोफोटेन का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो को मिशेल वोन काल्बेन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है कि लोफोटेन में आधी रात का सूरज निकल आया है। कल सूरज आखिरी बार अस्त हुआ और दोबारा उग आया। अब यह ध्रुवीय दिवस के दौरान कई हफ्तों तक क्षितिज से ऊपर रहेगा। इसके विपरीत सर्दियों में ध्रुवीय रात होती है, जब सूरज कई हफ्तों तक क्षितिज से नीचे रहता है, जिससे उत्तरी रोशनी जैसी अन्य घटनाओं के साथ बहुत सारा जादुई अंधेरा पैदा होता है। वीडियो में देखा जा सकता है कि दिन में तो सूरज हमेशा उगा ही रहता है, लेकिन शाम के 6 बजे से लेकर सुबह के 6 बजे तक भी उसकी रोशनी में पूरा लोफोटेन जगमगाता रहता है। चंद मिनट के लिए भी अंधेरा नहीं होता। ऐसा कई महीनों तक चलता रहेगा। सोशल मीडिया पर यह वीडियो काफी देखा जा रहा है। अब तक इस वीडियो को लगभग 2 करोड़ के आसपास देखा जा चुका है, वहीं 9 लाख 78 हजार से ज्यादा लोगों ने इसे लाइक किया है। लाखों लोगों ने इस वीडियो को शेयर भी किया है, जबकि 18 सौ से ज्यादा कमेंट्स आए हैं। कोई इसे ईश्वर का करिश्मा बतला रहा है, तो कोई उस अंधेरी जगह के बारे में जानना चाह रहा है, जहां सूरज उगता ही नहीं।

वीडियो पर कमेंट करते हुए डॉ लैला नाम की यूजर ने लिखा है कि यहां मुझे आधी रात को घूमते हुए बहुत सुरक्षित महसूस होगा। इमरान नाम के यूजर ने सूर्यास्त न होने वाली बात पर अपना कमेंट करते हुए लिखा है कि वहां के लोगों का जीवन निराशाजनक होगा। वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा है कि वहां रमजान की कल्पना करो, जब पूरे महीने लोग दिन में कुछ भी नहीं खाते। सिर्फ सूर्यास्त के बाद ही कुछ खाते हैं। एलिजाबेथ नाम की यूजर ने लिखा है कि हर साल लगभग 6 सप्ताह तक यहां सूरज अस्त नहीं होता, जिसे मध्य रात्रि का सूरज कहते हैं। फिर साल के अन्य 6 सप्ताहों तक सूरज नहीं उगता, जिसे ध्रुवीय रात कहते हैं। यह बहुत खूबसूरत है।

वो नरभक्षी आदिवासी, जो खा जाते थे इंसानों को, मां-बाप को भी नहीं छोड़े

जनजातियों के रिवाज आम लोगों से बिल्कुल अलग होते हैं। खासतौर पर अफ्रीकी जनजातियों की बात करें तो इनके रस्म-रिवाज सुनकर ही लोग दंग रह जाते हैं। पापुआ न्यू गुएना में पाई जाने वाली ऐसी ही एक जनजाति में अलग ही किस्म की परंपरा है। यहां लोग उन्हीं लोगों को खा जाते थे, जिन्हें वे बेइंतहा प्यार करते थे। आपने शायद ही सुना हो कि कोई अपने ही परिवार के लोगों को खा जाए। हालांकि हम आपको आज जिस जनजाति के बारे में बताने जा रहे हैं, वो अपने माता-पिता को भी नहीं छोड़ते और उन्हें खा जाते थे। फोर नाम की जनजाति के लोग अपनों के अंतिम संस्कार के तौर उन्हें पूरा का पूरा खा जाते थे, सिर्फ शरीर का एक हिस्सा छोड़कर, जो बेहद कड़वा होता है। क्ष्द्वद्बह्व ह्व2 त्नह्वद्बठ्ठद्ग के ओकापा जिले में फोर नाम की जनजाति के लोग रहते हैं। 1960 के दशक तक इनके कबीले में ऐसी परंपरा थी कि वे लोग परिजनों की मौत के बाद उन्हें जलाने या दफनाने के बजाय खा जाते थे। उनके मुताबिक ये कोई घिनौना काम नहीं था बल्कि उनका कहना था कि कीड़े-मकोड़े उन्हें खाएं, इससे बेहतर वे ही उन्हें खा लेते थे। अगर कोई अपनी मौत के बाद ऐसा नहीं चाहता है, तो वो जीतेजी बता सकता था। हालांकि ज्यादातर लोग अपनी मौत के बाद अपने परिवार के द्वारा खाए जाने को अपना सम्मान मानते थे। लिंडेनबॉम नाम के एक ऑस्ट्रेलियन ने बताया कि फोर लोग मरे हुए शख्स की पूरी बॉडी खा जाते हैं, लेकिन एक हिस्से को छोड़ देते हैं। इसकी वजह ये है कि ये हिस्सा काफी कड़वा होता है। शरीर के अंदर मौजूद पित्त की थैली या गॉलब्लैडर इतना कड़वा होता है कि नरभक्षी जनजाति के लोग भी इसे छोड़ देते हैं। हां, महिलाओं की मौत के बाद उन्हें सिर्फ घर की महिलाएं ही खा सकती हैं। लिंडेनबॉम अध्ययन के दौरान 1960-70 के दशक में उनके साथ रहीं और उन्होंने काफी हद तक लोगों को इस परंपरा से दूर करने में सफलता भी पाई। 1950 के दौर में मानव विज्ञानी शर्ले लिंडेनबॉम ने खोज कर ली कि जनजाति के लोगों की ये परंपरा दरअसल एक मानसिक बीमारी है, जिसे कुरु कहते हैं। उन्होंने डेली स्टार को बताया कि जब उनसे पूछा गया कि आप लोग शरीर के साथ ऐसा क्यों करते हैं? उन्होंने जवाब दिया कि हमने उन्हें खा लिया। कुरु एक लाइलाज न्यूरोलॉजिकल कंडीशन है, जो नर्वस सिस्टम को लगभग बंद कर देती है। माना जाता है कि ये किसी इंफेक्शन के शिकार व्यक्ति के मस्तिष्क को खाने के वजह से आई होगी, जो दूसरों में भी फैलती गई और परंपरा बन गई।

अडानी मामले में अपने आरोपों पर फंस गया हिंडनवर्ग, सेबी ने भेजा नोटिस

साजिश का खुलासा होने से हड़कंप

» कोटक महिंद्रा बैंक को कारण बताओ नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अडानी को क्लीन चिट दे दी है और सेबी को शॉर्ट सेलिंग में शामिल संस्थाओं की जांच करने का निर्देश दिया है। जांच के क्रम में सेबी ने हिंडनबर्ग को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, जिससे उनकी साजिश का खुलासा होने से हड़कंप मच गया है।सेबी की जांच में खुलासा हुआ कि कोटक महिंद्रा और हिंडनबर्ग ने मिलकर अडानी के शेयरों में शॉर्ट पोजीशन लेने की साजिश रची थी। शॉर्टिंग में हिंडनबर्ग की हिस्सेदारी 25 फीसदी थी जिससे उन्हें करोड़ों रुपये का फायदा हुआ। कोटक महिंद्रा बैंक के अधिकारियों की चैट का उल्लेख करते हुए सेबी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। चैट से पता चलता है कि कैसे कोटक ने पैसा लगाने और अडानी फ्यूचर्स में शॉर्ट पोजीशन लेने के लिए ऑफशोर फंड स्थापित किए, जिससे उन्हें 184 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ।

सेबी के कारण बताओ नोटिस से यह भी पता चलता है कि कैसे हिंडनबर्ग की रिपोर्ट अनुमानों, झूठ और गलतबयानी से भरी थी, जिसका एकमात्र उद्देश्य सिर्फ शॉर्ट पोजीशन से फायदा कमाना था। सेबी की जांच, जो अमेरिकी अदालतों और एसईसी रिकॉर्ड से प्राप्त दस्तावेजों और सबूतों पर आधारित है उसका जवाब देने के बजाय, हिंडनबर्ग ने सेबी पर हमला करना शुरू कर दिया और उनके रवैये को एकतरफा बताया।

शुरू से ही आरोपों को बेबुनियाद बताता रहा अडानी समूह

अडानी समूह पिछले साल हिंडनबर्ग की रिपोर्ट जारी होने के बाद से ही रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों को मनगढ़ंत और बेबुनियाद बताता रहा है, और समूह ने इस रिपोर्ट को भारत की तरक्की पर हमला करार दिया था। अब एक्सपर्ट कमेटी और सेबी की जांच में हिंडनबर्ग के सभी आरोप गलत साबित होने के बाद ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने समूह की एलैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइज़ेज़ की सालाना आम बैठक में शॉर्टसेलर के हमले का ज़िक्र करते हुए कहा कि समूह इस हमले से ज़्यादा मज़बूत होकर उबरा है, और इससे साबित होता है कि किसी भी तरह की कोई भी चुनौती समूह की मूलभूत मज़बूती को कमज़ोर नहीं कर सकती है. उन्होंने कहा था, कामयाबी का असल पैमाना ही विपरीत हालात में मज़बूती से खड़े रहने की क्षमता होता है।

सुप्रीम कोर्ट भी लगा चुका है शॉर्टसेलर को फटकार

इससे पहले, हिंडनबर्ग रिपोर्ट को लेकर एक्सपर्ट कमेटी और सेबी द्वारा कई महीनों तक की गई जांच के बाद सुप्रीम कोर्ट भी इसी साल जनवरी में अडानी ग्रुप को मिली क्लीन चिट पर मुहर लगा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने यहां तक कहा था कि सेबी की जांच नियमों के तहत की गई है, और उसमें कतई कोई खामी नहीं, इसलिए इस मामले की जांच एसआईटी से करवाने का औचित्य नहीं बचा है। सुप्रीम कोर्ट ने हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट और उससे मुनाफ़ा कमाने की हरकत को लेकर अमेरिकी शॉर्ट सेलर को फटकार भी लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने जांच को किसी केंद्रीय जांच एजेंसी को स्थानांतरित करने से भी इंकार किया था, और कहा था कि अब याचिकाकर्ताओं को ठोस सबूत प्रस्तुत करने होंगे कि सेबी और एक्सपर्ट कमेटी ने पक्षपातपूर्ण तरीके से जांच की। इस फ़ैसले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और सेबी को आदेश दिया था कि भारतीय निवेशकों के हित मज़बूत करने के लिए विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों पर काम किया जाए। सुप्रीम के अनुसार वैधानिक नियामकों पर सवाल उठाने के लिए समाचार पत्रों की रिपोर्टों और बाहरी संगठनो पर विश्वास करना सही नहीं । इनको जांच के लिए सबूत नहीं माना जा सकता है।

हिंडनबर्ग ने एमएससीआई इंडिया इंडेक्स पर ईटीएफ से कमाए 80 करोड़

हिंडनबर्ग बिना किसी सबूत के रिपोर्ट तैयार करता है

हिंडनबर्ग व्यापक जांच का दावा करता है फिर भी मीडिया रिपोर्ट और प्रेस नोट पर ज्यादा निर्भर करता है। हिंडनबर्ग बिना किसी सबूत के एक रिपोर्ट तैयार करता है और हमें ये भरोसा दिलाने की कोशिश करते हैं कि उन्होंने अदाणी के शेयरों को शार्ट कर मुनाफा नहीं कमाया। हिंडनबर्ग ने जानबूझकर भ्रामक बयानों के आधार पर अपनी रिपोर्ट में कुछ निष्कर्ष प्रस्तुत किए जिसमें तथ्यों का दूर रखा गया और एक गलत सनसनीखेज रिपोर्ट तैयार की गई। हिंडनबर्ग का इस रिपोर्ट का जारी करने का रवैया भी पूरी तरह से गैर जिम्मेदार था। सेबी ने अपनी जांच में पाया कि हिंडनबर्ग ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के निष्कर्षों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया, बिना सबूत के सरकार पर भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी का आरोप लगाए। इसके अलावा सिक्योरिटी मार्केट से प्रतिबंधित ब्रोकर के झूठे बयान पर भरोसा करते हुए सेबी पर गलत आरोप लगाए। अडानी के शेयरों को शॉर्ट करके मुनाफा कमाने का दावा करने के बावजूद, सेबी की जांच से पता चला है कि हिंडनबर्ग ने एमएससीआई इंडिया इंडेक्स पर ईटीएफ और ऑप्शंस में शॉर्ट पोजीशन लेकर अडानी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड, एजीईएल और एपीएसईजेड के बॉन्ड में ट्रेडिंग करके 80 करोड़ रुपए कमाए।

समाजवादी कुटिया के बच्चों ने पौधरोपण कर मनाया सपा सुप्रीमो का जन्मदिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर कोरोना काल में जौनपुर में स्थापित हुई समाजवादी कुटिया अपनी स्थापना से ही लोक कल्याण के कार्यों में अनवरत प्रयासरत है। चाहे वह बच्चों की शिक्षा हो, असहायों की मदद हो या अनुभव चौहान जैसे प्रतिभावान पहलवानों को गोद लेना हो। उन्होंने हर्षोल्लास से सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के जन्मदिन को समाजवादी कुटिया में केक काटकर मनाया गया जहां पौधरोपण भी किया गया।

साथ ही नन्हे—मुन्ने बच्चों को ड्रेस के साथ शिक्षण सामग्री तथा प्रतिदिन की तरह दूध,बिस्कुट,फल देते हुये दिव्यांग परिवार का सहयोग भी किया गया। इस मौके पर समाजवादी कुटिया के संस्थापक/संचालक ऋषि यादव एडवोकेट ने कहा कि अखिलेश

जी पर्यावरण इंजीनियर हैं, यह बात कुटिया के बच्चे भी जानते हैं। उन्होंने दो दिन पहले ही कहा कि हम सभी लोग भैया के जन्मदिन पर पर्यावरण को स्वस्थ रखने के लिये पौधे लगायेंगे। हम सभी लोग राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु होने की कामना के साथ पुन: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री होने की कामना करते हैं। इस अवसर पर समाजवादी कुटिया के शिक्षक चंद्र, उमाशंकर यादव मौजूद रहे।

पेड़ों की कटाई पर एलजी-सरकार में तकरार

» मंत्रियों की समिति कर रही जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रिज क्षेत्र में 1100 पेड़ों की कटाई मामले में उपराज्यपाल और दिल्ली सरकार के बीच तकरार बढ़ सकती है। इस मामले में दिल्ली सरकार के मंत्रियों की फैक्ट फाइंडिंग समिति उपराज्यपाल की भूमिका की जांच कर रही है। वहीं, अधिकारियों ने समिति पर ही सवाल उठा दिए हैं। 29 जून को दिल्ली सरकार के मंत्रियों की बैठक में सर्वसम्मति से मंत्री आतिशी, सौरभ भारद्वाज और इमरान हुसैन की समिति में शामिल किया गया था। पर्यावरण एवं वन विभाग के प्रमुख सचिव ने दावा किया है कि समिति बनाना नियमों का उल्लंघन है।

साथ ही इससे सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना होगी। इस मामले में प्रमुख सचिव अनिल कुमार सिंह ने सोमवार को पत्र लिखा। इसमें कहा कि मंत्रियों की

समिति का गठन जिस मामले में किया गया है वह सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है। सर्वोच्च न्यायालय ने पहले ही एक स्वतंत्र फैक्ट फाइंडिंग समिति का गठन कर दिया है। इसमें भारतीय वन सर्वेक्षण के अधिकारी और अन्य निष्पक्ष विशेषज्ञ शामिल हैं। समिति ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दी है। इसके अलावा, पत्र में दावा किया गया है कि समिति का गठन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार की कार्य संचालन भूमिका (टीओबीआर) 1993 के प्रासंगिक प्रावधानों का उल्लंघन करता है।

शिक्षकों के तबादले का फैसला वापस लें : आतिशी

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में अब शिक्षकों का एक स्कूल में दस वर्ष से अधिक समय होने पर स्थानांतरण नहीं होगा। शिक्षा मंत्री आतिशी ने शिक्षा सचिव को पत्र जारी कर इस फैसले को वापस लेने को कहा है। पत्र में उन्होंने शिक्षा सचिव को कहा कि इस तरह के निर्णय जिससे कि शिक्षक के मनोबल या कामकाजी स्थिति प्रभावित हो उनकी सहमति के बिना नहीं लिए जाए। उन्होंने इस मामले को लेकर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट सात दिनों के भीतर मांगी है। इस मामले पर शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री से मुलाकात की थी। शिक्षा निदेशालय ने बीते जून की शुरुआत में ऑनलाइन ट्रांसफर लिंक ओपन कर दिया था। इसके तहत एक ही स्कूल में 10 साल से अधिक समय तक सेवा करने वाले सभी शिक्षकों को अनिवार्य रूप से ट्रांसफर के लिए आवेदन करने का निर्देश दिया गया था। ऐसा ना करने पर उन्हें शिक्षा निदेशालय द्वारा किसी भी स्कूल में स्थानांतरित करने की बात कही गई थी। निदेशालय के इस फैसले से शिक्षकों में काफी अफरा-तफरी थी।

भारतीय महिलाओं ने टेस्ट में दिखाई ताकत

» एकमात्र टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका को दस विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एकमात्र टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका को सोमवार को चौथे और आखिरी दिन दस विकेट से हरा दिया। दक्षिण अफ्रीका को दूसरी पारी में 373 रन पर आउट करने के बाद भारत को जीत के लिये 37 रन का आसान लक्ष्य मिला जो मेजबान ने बिना कोई विकेट गंवाये 9.2 ओवर में हासिल कर लिया। भारत ने पहली पारी छह विकेट पर 603 रन पर घोषित की थी। भारत के लिये सलामी बल्लेबाज शुभा सतीश ने नाबाद 13 और शेफाली वर्मा ने

नाबाद 24 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

भारत ने इससे पहले 2002 में पार्ल में भी दक्षिण अफ्रीका को दस विकेट से हराया था। पहली पारी में 266 रन पर आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में बेहतर प्रदर्शन किया। लौरा वोल्वार्ट ने 314 गेंद में 122 और सुने लुस ने 203 गेंद में 109 रन बनाये। काप को दीप्ति शर्मा ने 31 के स्कोर पर पगबाधा आउट किया। वहीं स्नेह राणा ने डेल्मी टकर को खाता खोले बिना पवेलियन भेजा। वोल्वार्ट 122 के स्कोर पर राजेश्वरी गायकवाड़ की गेंद पर पगबाधा आउट हुई। दक्षिण अफ्रीका ने 300 रन का आंकड़ा पार किया जो भारत के खिलाफ उसका सर्वोच्च टेस्ट स्कोर है। लंच के बाद सिनालो जाफ्टा रिटायर्ड हर्ट हो गई जबकि एन्ने डेर्कसन पांच रन बनाकर पूजा वस्त्राकर का शिकार हुई। डि क्लेर्क और मसाबाटा क्लास ने 23 रन की साझेदारी करके टीम को पारी की हार से बचाया।

वोल्वार्ट तीनों फॉर्मेट में शतक बनाने वाली बनीं पहली महिला क्रिकेटर

अपने कल के स्कोर दो विकेट पर 232 रन से आगे खेलते हुए वोल्वार्ट और मरियाने काप ने रन बनाना जारी रखा। वोल्वार्ट ने अपना पहला टेस्ट शतक जड़ा और एक ही साल में टेस्ट, वनडे तथा टी20 में शतक बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गई।

बारिश के दौरान भीगते हुए स्कूल पहुंचे नन्हे बच्चे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद सभी माध्यमिक व बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालय पूर्ण रूप से खुल गए। सुबह से ही सड़कों पर बच्चों के आवाजाही का नजारा देखने को मिला। विद्यालय छात्रों से गुलजार हो गए। कक्षाओं में पढ़ाई के दौरान पहले दिन विद्यार्थियों ने एक-दूसरे से छुट्टियों के अनुभव साझा किए। शिक्षकों ने ज्यादा होमवर्क न देकर बच्चों पर पढ़ाई का बोझ नहीं डाला। कई परिषदीय विद्यालयों में बच्चों का स्वागत भी किया गया। सुबह से हो रही बारिश चलते बच्चे भीगते हुए स्कूल गये।

फोटोः सुमित कुमार

नहीं थम रहे पेपर लीक के मामले, यूपीपीसीएस-जे व सीयूईटी-यूजी में भी गड़बड़ी

सीयूईटी-यूजी का नतीजा फिलहाल टला 30 जून को जारी होना था परीक्षा परिणाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद से लेकर सड़क तक बवाल मचा है पर पेपर लीक के मामले रुक नहीं रह हैं। फिर देश केदो प्रतिष्ठित परीक्षाओं में अनियमिता की खबर आने पर उन्हें टाला पड़ा है। स्नातक दाखिले की सीयूईटी-यूजी, 2024 का नतीजा फिलहाल टल गया है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने पहली बार यह परीक्षा हाइब्रिड मोड में कराई थी और नीट-यूजी विवाद के मद्देनजर नतीजे में किसी तरह की चूक नहीं होने देना चाहता। इसलिए परीक्षा परिणाम और मेरिट की कई स्तर पर जांच के बाद ही स्कोर लिस्ट जारी की जाएगी।

वहीं यूपी पीसीएस-जे में भी उत्तर पुस्तिका में गड़बड़ी के बाद परीक्षा के परिणाम पर राके लग गई है। सीयूईटी-यूजी का नतीजा 30 जून को जारी होना था। हालांकि, यह संभावित तिथि थी। वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, एनटीए के विषय विशेषज्ञ सभी विषयों की हर स्तर पर गहन जांच कर रहे हैं। ताकि चूक की कोई गुंजाइश न रहे। संभावना जताई जा रही है कि नतीजा जारी होने में अभी एक हफ्ते का समय लग सकता है। नीट-यूजी 2024 की तरह सीयूईटी-यूजी के 15 मुख्य विषयों की परीक्षा पहली बार पेन-पेपर आधार पर हुई थी, जबकि अन्य विषयों की कंप्यूटर आधारित थी। इससे पहले, सीयूईटी-यूजी पूरी तरह कंप्यूटर आधारित परीक्षा होती थी। सूत्रों के मुताबिक, गहन विश्लेषण के बाद ही आंसर-की जारी की जाएगी। इसके छात्र अपनी आपत्ति दर्ज करा सकेंगे। इसके बाद ही नतीजा जारी होगा।

282 विश्वविद्यालयों में दाखिला प्रक्रिया अटकी

सीयूईटी-यूजी नतीजों में देरी से 282 विश्वविद्यालयों में स्नातक दाखिला प्रक्रिया अटक गई है। लेकिन बताया जा रहा है कि छात्रों को परेशान होने की जरूरत नहीं है। नतीजे जारी होने पर उन्हें दाखिला प्रक्रिया पूरी करने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। नतीजों में देरी का सबसे ज्यादा असर डीयू, जेएनयू, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि, धर्मशाला, अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ, इलाहाबाद, बीएचयू, अलीगढ़, जामिया, विश्व भारती,राजस्थान समेत 46 विश्वविद्यालयों में होने वाले दाखिलों पर पड़ेगा। देशभर से लाखों छात्र इन दिग्गज विश्वविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिला लेते हैं।

यूपी पीसीएस-जे में बदली थीं 50 कॉपी 25-25 कॉपियों के तैयार किए थे बंडल

पीसीएस-जे मुख्य परीक्षा-2022 में एक नहीं, बल्कि 50 अभ्यर्थियों की कॉपियां बदली थीं। एक अभ्यर्थी के हाईकोर्ट पहुंचने के बाद हुई जांच में खुलासा होने पर उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने पांच अधिकारियों को दोषी करार देते हुए तीन को निलंबित कर दिया। पर्यवेक्षणीय अधिकारी उपसचिव सतीशचंद्र मिश्र के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की गई, जबकि एक रिटायर्ड महिला अधिकारी के खिलाफ शासन से अनुमति मांगी है। मुख्य परीक्षा में अनुत्तीर्ण अभ्यर्थी श्रवण पांडेय ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा था कि कॉपी पर उनकी हैंडराइटिंग नहीं है। कॉपी बदले जाने के सनसनीखेज आरोपों पर हाईकोर्ट ने आयोग से जवाब-तलब किया था। इसके बाद कराई जांच में खुलासा हुआ कि एक नहीं, 25-25 कॉपियों के दो बंडल (कुल 50 कॉपियां) बदले गए हैं। इस पर आयोग के अध्यक्ष संजय श्रीनेत के निर्देश पर अनुभाग अधिकारी शिवशंकर, समीक्षा अधिकारी नीलम शुक्ला और सहायक समीक्षा अधिकारी भगवती देवी को निलंबित कर दिया गया। पर्यवेक्षणीय अधिकारी उपसचिव मिश्र के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की गई। उन्हें आरोप पत्र जारी किया जाएगा। सेवानिवृत्त हो चुकीं सहायक समीक्षा अधिकारी चंद्रकला को भी दोषी पाया गया है। सेवानिवृत्त कर्मचारी के खिलाफ आयोग सीधे कार्रवाई नहीं कर सकता। सो, नियम 351-ए के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए शासन से अनुमति मांगी गई है। मंजूरी मिलने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।आयोग इस गलती को मानवीय भूल भले ही बता रहा है, लेकिन यह घटना असामान्य है। इसका असर परिणाम पर भी पड़ सकता है। दरअसल, पीसीएस-जे की मुख्य परीक्षा की कॉपियों के मूल्यांकन से पहले 25-25 कॉपियों का बंडल तैयार किया गया था। कॉपियों के ऊपर कोडिंग की गई, ताकि मूल्यांकन के दौरान अभ्यर्थियों की पहचान छिपी रहे। मूल्यांकन के बाद रोल नंबर अंकित किए जाते हैं। कोडिंग की इसी प्रक्रिया में गलती हुई और सभी 50 कॉपियां एक-दूसरे से बदल गईं।

नीट एग्जाम गरीब छात्रों के लिए नहीं बनाया : राहुल

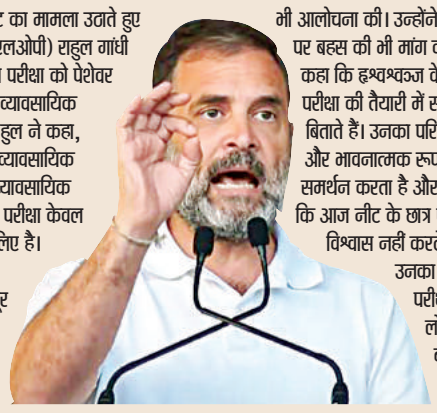

लोकसभा में नीट का मामला उठाते हुए विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा को पेशेवर परीक्षा के बजाय व्यावसायिक परीक्षा बताया। राहुल ने कहा, नीट परीक्षा एक व्यावसायिक परीक्षा है न कि व्यावसायिक परीक्षा। एनईईटी परीक्षा केवल अमीर बच्चों के लिए है। गांधी ने इन विसंगतियों को दूर करने में फ्रसंस्थागत विफलताफ्र की भी आलोचना की। उन्होंने इस मामले पर बहस की भी मांग की। उन्होंने कहा कि ह्श्वश्वञ्ज के छात्र अपनी परीक्षा की तैयारी में सालों-साल बिताते हैं। उनका परिवार आर्थिक और भावनात्मक रूप से उनका समर्थन करता है और सच्चाई यह है कि आज नीट के छात्र परीक्षा में विश्वास नहीं करते हैं क्योंकि उनका मानना है कि परीक्षा अमीर लोगों के लिए बनाई गई है, न कि मेधावी लोगों के लिए। राहुल ने कहा कि मैं कई एनईईटी छात्रों से मिला हूं। उनमें से हर एक मुझसे कहता है कि परीक्षा अमीर लोगों के लिए कोटा बनाने और सिस्टम में उनके लिए जगह बनाने के लिए बनाई गई है और गरीब छात्रों की मदद करने के लिए नहीं बनाई गई है। इससे पहले जैसे ही लोकसभा शुरू हुई, राहुल गांधी ने नीट में विसंगतियों को उठाया। इसने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को यह तर्क देने के लिए प्रेरित किया कि जब तक सदन राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव समाप्त नहीं कर लेता, तब तक एक अलग चर्चा नहीं हो सकती। मामले पर प्रशासन से ठोस वादे की मांग के बाद विपक्ष ने वाकआउट कर दिया।

बंगाल में महिला की पिटाई के वीडियो पर मचा घमासान

» बीजेपी व टीएमसी में वार-पलटवार

» दीदी का बंगाल महिलाओं के लिए असुरक्षित : नड्डा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। उत्तरी दिनाजपुर जिले के चोपड़ा इलाके में कथित अवैध संबंधों को लेकर एक दंपति की बेरहमी से पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए आरोपी तजमुल उर्फ जेसीबी को गिरफ्तार कर लिया था। भाजपा ने आरोप लगाया कि आरोपी, चोपड़ा से विधायक हमीदुल इस्लाम का करीबी है।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने किया ट्वीट करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल से एक भयावह वीडियो सामने आया है, जो उस क्रूरता की याद दिलाता है जो केवल धर्मतंत्रों में मौजूद है। वहीं टीएमसी नेता व मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि जेपी नड्डा दूसरे राज्यों पर नजर रखें तो अच्छा है। थोड़ी बहुत घटनाएं यहां-वहां हो रही हैं लेकिन सरकार या पार्टी की ओर से हम इन घटनाओं का समर्थन नहीं कर रहे हैं... वे. क्या मणिपुर गए थे? महिलाएं हमारे साथ हैं जिसका प्रमाण वो इस चुनाव में दे चुकी हैं।

संजय सिंह व प्रफुल्ल पटेल के बीच में तीखी नोक-झोंक

» एनसीपी के सांसद बोले- हमें और कांग्रेस को बदनाम करके यहां बैठे हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। राज्यसभा में एनसीपी (अजित पवार गुट) सांसद प्रफुल्ल पटेल ने आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह पर जमकर निशाना साधा।

पटेल ने कहा कि संजय भैया, आप आज यहां बैठकर कांग्रेस और हमें बदनाम कर रहे हैं। इस पर स्पीकर जगदीप धनकड़ ने प्रफुल्ल पटेल को रोका और कहा कि ये बात रिकॉर्ड में नहीं जाएगी। स्पीकर के रोकने के बावजूद प्रफुल्ल पटेल बोलते रहे। प्रफल्ल पटेल ने कहा कि उन्होंने (संजय सिंह) नाम लेकर हमारी पार्टी और हमारे नेता की आलोचना की, इसलिए उन्हें जवाब देना होगा। उन्होंने यूपीए सरकार के दौरान भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें लगता है कि 70 हजार करोड़ का सिंचाई घोटाला हुआ है तो वे उनके साथ क्यों बैठे। तब कांग्रेस के मुख्यमंत्री थे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।